उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

# बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक-53)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 20 फरवरी ,2023

शादी में रसगुल्ले पर मचा बवाल, दुल्हन के मौसा का हुआ कत्ल

नन्ही सी जान की हो खास देखभाल

शिव मंदिर दर्शन करने से पूरी हो जाती हैं सभी मनोकामनाएं

## न्यूज संक्षिप्त

### कश्मीर के रामबन में भूस्खलन से 5 मकान क्षतिग्रस्त

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में एक पहाड़ी पर बसे गांव में भूस्खलन के कारण कम से कम पांच रिहायशी मकान क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की घटना रामबन जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर गूल अनुमंडल के संगलदान के डज्सर डल गांव में हुई। यह घटना डोडा जिले की नई बस्ती गांव में 19 मकान, एक मस्जिद और लड़कियों के एक धार्मिक स्कूल में भू-धंसाव के कारण दरारें आने के एक पखवाड़े बाद हुई है। फिलहाल, इससे प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। वहीं, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट गूल तनवीर-उल-मजीद वानी ने बताया,'डज्सर डल में भूस्खलन के कारण कुल पांच घर क्षतिग्रस्त हो गए और रहने लायक नहीं रहे। प्रभावित परिवारों को स्थानांतरित कर दिया गया और तत्काल राहत के रूप में टेंट, राशन, बर्तन और कंबल प्रदान किए गए।% उन्होंने कहा, 'भूस्खलन जारी रहने से पांच और घरों के प्रभावित होने की आशंका है। हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और लोगों से संयम बरतने का अनुरोध कर रहे हैं।

### दुबई से आ रही एअर इंडिया एज्सप्रेस की उड़ान में 'समस्या'

तिरुवनंतपुरम। दुबई से रविवार को तिरुवनंतपुरम आ रही एअर इंडिया एज्सप्रेस की एक उड़ान के उतरने के दौरान पायलट ने कुछ समस्या महसूस होने के बाद यहां हवाई नियंत्रण कक्ष (एटीसी) से मदद मांगी। एअरलाइन के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा, ''पायलट को विमान के उतरने के समय कुछ असामान्य लगा और उसने एटीसी से सहायता मांगी। निर्धारित समय पर सुबह साढ़े छज्जे यह विमान सामान्य ढंग से विमानतल पर उतरा। पायलट ने किसी भी आपात स्थिति की घोषणा नहीं की।% उन्होंने बताया कि विमानतल पर उतरने के बाद आईएज्स 540 एअर इंडिया एज्सप्रेस उड़ान की जांच करने पर पाया गया कि विमान के अगले हिस्से के पहिये की ऊपरी सतह हट गयी थी। सूत्रों ने कहा, 'इसमें गंभीर स्थिति जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि विमान से सभी यात्री सुरक्षित ढंग से उतरे।

### नीट परीक्षा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार, परीक्षा की वैधता को दी चुनौती

नयी दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने देश भर के मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है और आरोप लगाया है कि एकल साझा प्रवेश परीक्षा 'संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन% है। 'नीट एमबीबीएस और बीडीएस जैसे स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए और सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोज़र पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा है।

## 12 चीतों के मध्य प्रदेश आने से भारत की वन्यजीव विविधता को बढ़ावा मिला: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों के मध्य प्रदेश आने से भारत की वन्यजीव विविधता को बढ़ावा मिला है। उल्लेखनीय है कि ये 12 चीते शनिवार को मध्य प्रदेश पहुंचे और उन्हें श्योपुर जिले के कुनो नेशनल पार्क (केएनपी) में अलग-अलग बाड़ों में छोड़ दिया गया। पांच महीने पहले एक अन्य अफ्रीकी देश नामीबिया से आठ चीते लाए गए थे। मध्य प्रदेश में चीतों के पहुंचने से संबंधित पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के एक ट्वीट को टैग करते हुए मोदी ने ट्विटर पर लिखा, इस घटनाक्रम से भारत की वन्यजीव विविधता को बढ़ावा मिला है। यादव ने शनिवार को ट्वीट किया था, स्वागत है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया प्रोजेक्ट चीता आज कुनो नेशनल पार्क में एक और मील के पत्थर पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर की उपस्थिति में 12 चीतों को बाड़ों में छोड़ा गया।

# शिवसेना के नाम और निशान 'खरीदने के लिए '2000 करोड़ रुपये का सौदा हुआ : संजय राउत

मुंबई । शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना पार्टी के नाम एवं निशान 'तीर-धनुष को 'खरीदने के लिए '2000 करोड़ रुपये का सौदा हुआ है। दो दिन पहले ही निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले धड़े को असली शिवसेना बताया था और उसे 'तीर-धनुष चुनाव निशान आवंटित किया था। हालांकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े के विधायक सदा सर्वांकर ने राउत के दावे का खंडन किया और सवाल किया, 'क्या संजय राउत खजांची हैं।

महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता सुधीर मुंगतिवार ने यह कहते हुए राउत पर पलटवार किया कि सुप्रीम कोर्ट एवं निर्वाचन अयोग जैसे स्वतंत्र संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश के तहत ऐसे बेबुनियाद आरोप लगाये जा रहे हैं। राउत ने एक ट्वीट में दावा किया कि 2000 करोड़ रुपये का शुरुआती आंकड़ा है और यह बात शत-प्रतिशत सच्ची है। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के करीबी एक बिल्डर ने उन्हें यह बात बतायी है। गौर हो कि शिवसेना ने 2019 के विधानसभा चुनाव का परिणाम सामने आने के बाद भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ लिया था। इसने मुख्यमंत्री पद साझा करने के वादे से भाजपा के पीछे हट जाने का दावा किया था। बाद में उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) एवं कांग्रेस के साथ गठजोड़ कर महाराष्ट्र विकास आघाड़ी गठबंधन बनाया था जिसने शिंदे के बगावत करने से पहले तक जून 2022 तक महाराष्ट्र में शासन किया।

# गिरजाघरों पर हमले के खिलाफ दिल्ली के जंतर मंतर पर ईसाइयों ने किया रोष प्रदर्शन

नयी दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में गिरजाघरों पर कथित हमले, हिंसा और गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली के जंतर मंतर पर एकत्र होकर ईसाई समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश से आये स्टीवन ने कहा, 'हमें लोगों को जबरन ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने का आरोपी बनाया जा रहा है। गिरजाघरों पर हमले किये जा रहे हैं, हमारे लोगों की पिटाई करके उन्हें गिरफ्तार किया गया। समुदाय के लोग लगातार डर के माहौल में जी रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि देशभर में समुदाय के सदस्यों के खिलाफ वर्ष 2021 में उत्पीड़न के 525 मामले सामने आए जो बढ़कर 2022 में 600 हो गये। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में ये मामले वर्ष 2020 में 70 थे जो बढ़कर वर्ष 2022 में 183 हो गये। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर निवासी शिवपाल ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस लोगों को जबरन धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में गिरफ्तार कर रही है। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके से आईं पूनम ने कहा, 'छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में गिरजाघरों पर हमले किये जा रहे हैं और समुदाय का उत्पीड़न किया जा रहा है। झूठे आरोपों के आधार पर उनके खिलाफ मामले दर्ज किये जा रहे हैं। हम यहां अपने भाइयों-बहनों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए एकत्र हुए हैं।

## मनीष सिसोदिया ने सीबीआई से किया आग्रह

# दिल्ली बजट को अंतिम रूप देने में व्यस्त, पूछताछ फरवरी के आखिरी हफ्ते तक टालें...

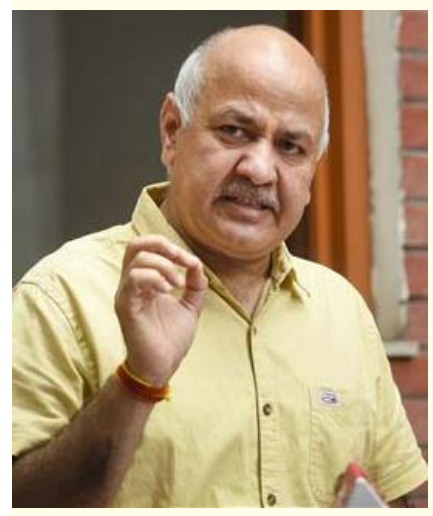

नयी दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को अपील की कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आबकारी नीति मामले में उनसे पूछताछ फरवरी के आखिरी हफ्ते तक टाल देनी चाहिए क्योंकि वह दिल्ली के बजट को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में आरोपपत्र दाखिल किये जाने के करीब तीन महीने बाद सिसोदिया को रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि सीबीआई सिसोदिया के अनुरोध पर गौर कर रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग का प्रभार संभालने वाले सिसोदिया ने कहा कि वह एक सप्ताह बाद पूछताछ के लिए उपलब्ध हो पायेंगे। सिसोदिया ने संवाददाताओं से कहा, 'मैंने सीबीआई को पत्र लिखा है और फरवरी के आखिरी हफ्ते तक के लिए समय मांगा है क्योंकि मैं दिल्ली के बजट को अंतिम रूप दे रहा हूं और यह एक अहम वक्त है। मैंने उनसे कहा है कि मैं फरवरी के आखिरी हफ्ते के बाद आऊंगा।% उन्होंने कहा, 'बतौर वित्त मंत्री बजट समय से पेश करना मेरा कर्तव्य है और मैं उसके लिए दिन-रात काम कर रहा हूं। मैंने सीबीआई से फरवरी के आखिरी सप्ताह के बाद प्रश्नों का उत्तर देने की अनुमति देने का अनुरोध किया है।% आबकारी विभाग का भी कामकाज देख रहे आम आदमी पार्टी सरकार के नेता सिसोदिया से इससे पहले पिछले साल 17 अक्टूबर को भी इस मामले में पूछताछ की गयी थी तथा उनके घर एवं बैंक लॉकर की तलाशी ली गयी थी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सिसोदिया को आरोपपत्र में बतौर आरोपी नामजद किया गया है तथा उनके एवं अन्य संदिग्धों के खिलाफ जांच अभी जारी है।

# कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा, उद्योगपति गौतम अदाणी के भाई पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद बाजार में मचे हाहाकार के बीच कांग्रेस ने रविवार को एक बार फिर अदाणी समूह से जुड़े मामले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या उद्योगपति गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी से जुड़ा मामला भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के लायक नहीं है। पाटी ने आरोप लगाया कि विनोद अदाणी इस कारोबारी समूह से जुड़े वित्तीय लेन-देन के केंद्रबिंदु में रहे हैं। हालांकि, अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया था।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुछ सवाल किए। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह ने गत 29 जनवरी को कहा था कि विनोद अदाणी की समूह की किसी सूचीबद्ध इकाई या उसके स्वामित्व वाली कंपनी में प्रबंधकीय भूमिका नहीं है। उनका रोजमर्रा के काम में भी कोई दखल नहीं है।कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अदाणी समूह के

इस दावे के बावजूद इस कारोबारी समूह ने बार-बार 'पब्लिक फाइलिंग' में यह जानकारी दी कि विनोद अदाणी इस समूह का अभिन्न हिस्सा हैं। 2020 में बंबई स्टॉक एक्सचेंज में दायर एक दस्तावेज में ऐसी ही जानकारी दी गई।

**पार्टी ने किए कई सवाल**

गौतम अदाणी निवेशकों और जनता से इस तरह खुलकर झूठ क्यों बोल रहे हैं?

क्या पीएम ने अपने पूंजीपति मित्रों के खिलाफ जांच में उन एजेंसियों का इस्तेमाल किया, जिन्हें आपने राजनीतिक दलों, मीडिया और आपकी बात नहीं मानने वाले कारोबारियों के पीछे छोड़ रखा है?

क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि अदाणी समूह ने खुद को विनोद अदाणी से अलग कर लिया?

'फोर्ब्स' की एक रिपोर्ट का हवाला देते पूछा कि क्या यह मामला सेबी और ईडी द्वारा जांच के लायक नहीं है?

## कराची पुलिस प्रमुख के कार्यालय पर हमला करने वालों की पहचान हुई

पेशावर। कराची के पुलिस प्रमुख के कार्यालय पर भारी हथियारों के साथ हमला करने वाले पाकिस्तान तालिबान के आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है। हमले में संलिप्त आतंकवादी पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के दो जिलों के रहने वाले थे। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार शाम सात बजकर 10 मिनट पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने कराची स्थित पुलिस प्रमुख के पांच मंजिला कार्यालय पर हमला किया था।

# विपक्षी एकजुटता पर 24 फरवरी से शुरू हो रहे पूर्ण अधिवेशन में अपना रुख तय करेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि 24 फरवरी से शुरू हो रहे इसके तीन दिवसीय पूर्ण अधिवेशन में अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्षी एकजुटता के संदर्भ में चर्चा की जाएगी एवं आगे का रुख तय किया जाएगा। हालांकि, उसने इस बात पर भी जोर दिया कि उसकी मौजूदगी के बिना देश में विपक्षी एकता की कोई भी कवायद सफल नहीं हो सकती। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान का स्वागत किया और कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) के शीर्ष नेता ने कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा के प्रभाव को स्वीकार किया है। नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा था कि कांग्रेस को भारत जोड़ो यात्रा से बने माहौल का लाभ उठाते हुए भाजपा विरोधी दलों को एकजुट कर गठबंधन बनाना चाहिए और अगर ऐसा हो गया तो 2024 के लोकसभा चुनाव में अभी 300 से ज्यादा सीट वाली भारतीय जनता पार्टी को 100 से भी कम सीट पर समेटा जा सकेगा। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, रमेश और पार्टी के कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के अधिवेशन के बारे में कुछ ब्योरा सामने रखा। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के चुनाव के संदर्भ में 24 फरवरी को पार्टी की संचालन समिति की बैठक में फैसला होगा। नीतीश कुमार के बयान के संदर्भ में वेणुगोपाल ने कहा, ''हमने 'भारत जोड़ो यात्रा के दौरान समान विचार वाले दलों को आमंत्रित किया। ज्यादातर दल आए। संसद के सत्र के दौरान अडाणी समूह के मामले में विपक्षी दलों को साथ लिया। उन्होंने कहा, ''अधिवेशन एक ऐसा मंच होगा जहां इस पर चर्चा होगी। निश्चित तौर पर इस बारे में (नेतृत्व) का निर्देश आएगा। रमेश ने कहा, ''हम मानते हैं कि विपक्ष की एकता जरूरी है। लेकिन विपक्ष की एकता के लिए यात्रा नहीं निकाली गई थी।

# कांग्रेस और पूर्व की सरकारों पर भड़के अमित शाह

भारत के गृहमंत्री अमित शाह इन दिनों महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर है। शिवाजी महाराज की जयंती और दौरे के दूसरे दिन शाह ने कोल्हापुर का दौरा भी किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व की सरकारों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों पर निशाना साथा।

कोल्हापुर में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले सत्ता में हर मंत्री खुद को प्रधानमंत्री मानता था। हर तरफ भारी भ्रष्टाचार था। किसी सरकार में इस भ्रष्टाचार को रोकने की हिम्मत नहीं थी। कोई इसे हटाने के लिए काम नहीं कर रहा था। **पाकिस्तान पर साधा निशाना**-उन्होंने कहा कि आलम ये था कि पाकिस्तानी आतंकवादी हमारे सेना के अधिकारियों की हत्या करते थे। इस आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने की किसी में हिम्मत नहीं थी। देश हो या राज्य हर तरफ कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। **छात्रों को दिया खास लक्ष्य**-केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बच्चों को स्कूल में अपने जीवन के लक्ष्यों को निर्धारित कर उन्हें हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। कोल्हापुर में एक स्कूल के छात्रों से बात करते हुए शाह ने कहा कि उनकी पत्नी पश्चिमी महाराष्ट्र शहर से हैं और यहीं एक स्थानीय स्कूल में पढ़ी हैं। उन्होंने कहा, ''स्कूल के दिनों में जीवन के लक्ष्यों को निर्धारित करना चाहिए। यह आपको अपने जीवन की चुनौतियों से पार पाने में मदद करेगा।'' शाह ने कहा कि अगर कोई जीवन में बहुत ऊंचा लक्ष्य निर्धारित करता है, तो उसे अच्छी आदतों से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को नियमित व्यायाम, योगाभ्यास और स्वस्थ आहार लेने की सलाह देते हुए कहा कि अक्सर आलस के कारण इन पहलुओं की उपेक्षा की जाती है।

# जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज, 10 करोड़ पार्थिव शिवलिंग का किया गया रुद्राभिषेक

बलोदा बाज़ार। बलौदाबाजार जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। गोल्डन बुक कार्यालय नई दिल्ली से आई टीम ने जिला मुख्यालय बलौदा बाजार में महाशिवरात्रि पर आयोजित 10 करोड़ पार्थिव शिवलिंग रूद्राभिषेक स्थल का अवलोकन किया और सत्यता पाए जाने पर गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र दिया।बलौदा बाजार में विश्व कल्याण एवं आमजन मानस में इंसानियत की भावना जागृत करने को लेकर 10 करोड़ पार्थिव शिवलिंग का रूद्राभिषेक किया जा रहा है। साथ ही 1100 ब्राह्मण विगत 9 फरवरी से लगातार 24 घंटे मंत्रोच्चारण कर रहे हैं, जिसके लिए शुक्रवार को गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में बलौदा बाजार का नाम दर्ज किया गया।1100 ब्राम्हणों ने किया मंत्रोच्चारण-गोल्डन बुक रिकॉर्ड आफिस नई दिल्ली से आए प्रमुख मनीष विश्नोई ने बताया कि बलौदा बाजार में आयोजित 10 करोड़ पार्थिव शिवलिंग का रूद्राभिषेक एवं 1100 ब्राम्हणों द्वारा मंत्रोच्चारण आराधना पर दो गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जिले का नाम जुड़ गया है। घोर अघोर अवधुत भगवान के सानिध्य में यह अद्भुत आयोजन है और विश्व में पहली बार हो रहा है, इसके लिए इनका नाम जोड़ा गया है और प्रमाण पत्र दिया गया है। शनिवार महाशिवरात्रि के अवसर पर सुबह से ही जनप्रतिनिधियों समेत दूरदराज के ग्रामीण ईलाकों से हजारों की संख्या में शिवभक्त पूजास्थल पहुंचे और सपरिवार बड़ी संख्या में रूद्राभिषेक में भाग लिया।


सभी देशवासियों, राज्यवासियों, नगर वासियों एवं क्षेत्रीयवासियों, सम्पादक साथियों व मेरे प्रिय पत्रकार भाइयों सहित शासन-प्रशासन और देश-प्रदेश से जुड़े हुए बी पी एस न्यूज के पाठक व सम्मानित मित्रों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से

होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक

बी.पी. साहू

8423454502,

9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

## संपादकीय

### आदिमयुगीन बर्बरता

राजस्थान के दो भाइयों के अपहरण, मारपीट और फिर उनको जिंदा जलाने की दिल दहला देने वाली घटना ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। पीड़ित परिवारों ने हत्या का आरोप गौ-रक्षकों व एक अतिवादी हिंदू संगठन तथा सीआईए पर लगाया है। बताया जा रहा है कि इनमें से एक भाई पर गौ तस्करी के कई मामले दर्ज रहे थे, लेकिन इसके बावजूद किसी को कानून अपने हाथ में लेने और अमानवीय कृत्य करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हालांकि, घटना की हकीकत व अपराधियों के कृत्य की वास्तविकता निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगी लेकिन घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी सख्त शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। यह घटना निश्चित तौर पर सांप्रदायिक तल्खी का वाहक बनेगी। इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है, लेकिन पुलिस प्रशासन का दायित्व बनता है कि मामले में तत्परता के साथ तार्किक जांच को अंजाम दिया जाये, जिससे तंत्र के प्रति पीड़ित पक्ष का विश्वास बना रहे। इसमें दो राय नहीं कि यह घटना किसी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है और आदिमयुगीन बर्बरता को ही दर्शाती है। 21वीं सदी के भारत में कानून हाथ में लेकर निर्ममता से किसी की जिंदगी को छीनना दुखद है। कृत्य कानून व्यवस्था के रखवालों पर सवाल उठाता है। इस मामले में कथित गौरक्षकों व संगठन विशेष से जुड़े हरियाणा के रहने वाले लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन पीड़ितों के परिजनों ने क्राइम इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी पर भी गंभीर आरोप लगाये हैं। निस्संदेह, यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जायेगी कि जिन पर कानून व्यवस्था को बनाये रखने का दायित्व था, वे ही असामाजिक तत्वों को शह देते नजर आये हैं। वाकई ऐसी घटनाएं अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षाबोध को जन्म देती हैं, जिसका लाभ राजनेता उठाने से नहीं चूकते। यह तय है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर जमकर राजनीति भी होगी और केंद्र व हरियाणा में डबल इंजन की सरकार निशाने पर रहेगी कि उनके शासन में कथित गौरक्षक खुली गुंडागर्दी करते नजर आ रहे हैं।निस्संदेह, किसी समाज में किसी जीव विशेष का जीवन एक वर्ग के लिये आस्था का प्रश्न हो सकता है। लेकिन इसका मतलब कदापि नहीं हो सकता कि उसके लिये किसी व्यक्ति के साथ अमानवीय व्यवहार करके उसे जिंदा जला दिया जाये। विगत में भी राजस्थान व हरियाणा के कुछ इलाकों में गौरक्षा के मुद्दे पर मॉब लिंचिंग के प्रकरण सामने आये हैं। मेवात के इलाके नूंह में इस तरह के घटनाक्रमों के सामने आने की बात कही जाती रही है। बताते हैं कि हरियाणा व राजस्थान सीमा से लगने वाले इलाकों में खनन के ठेकों में वर्चस्व की लड़ाई भी कालांतर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का वजह बनती गई है। जिसकी प्रतिक्रिया गौरक्षा व गौ तस्करी के विवादों से भी जुड़ती रही है। इस इलाके में कुछ पुलिस अधिकारियों पर हुए प्राणघातक हमले भी इस क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई की परिणति बताये जाते रहे हैं। निस्संदेह, ऐसे मामलों पर पुलिस-प्रशासन को बेहद संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करना चाहिए। इससे समाज के अल्पसंख्यक वर्ग में व्याप्त असुरक्षा की भावना को खत्म करने में मदद मिलेगी।

# अनदेखी न हो विभाजित विपक्ष की

**कि ऐसी स्थिति में सज़ारूढ़ दल थोड़ा उदार बने। विपक्ष को अवसर दे अपनी बात कहने का। पीठासीन अधिकारियों से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वे विपक्ष के अधिकारों की रक्षा के प्रति, और उसके कर्तव्य को निभाने मे मददगार होने के लिए अतिरिक्त सजगता बरतें। जनतांत्रिक प्रणाली के औचित्य और सफलता का भी यही तक़ाज़ा है कि कोई भी पक्ष जन-समर्थन की ताकत का दुरुपयोग न करे। आज यदि किसी पक्ष के पास जन-समर्थन की बड़ी ताकत है तो कल यही स्थिति किसी दूसरे पक्ष की भी हो सकती है। तब वह भी अपने जन-समर्थन का ग़लत फायदा उठायेगा। इसीलिए जनतांत्रिक व्यवस्था में सभी से एक संतुलित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। एक बात और भी है जो हमारे राजनीतिक**

संसद के दोनों सदनों में हंगामा हुआ था। दोनों जगह विपक्ष अपनी मांगें मनवाने के लिए लगातार शोर करता रहा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस के दौरान प्रधानमंत्री एक घंटे से अधिक समय तक बोलते रहे थे। उनका भाषण देश ने शोर-शराबे के बावजूद पूरा सुना। बहुत तीखा भाषण था प्रधानमंत्री का। उनका बोलने का अंदाज़ भी उतना ही तीखा था। उनके इस भाषण में कुछ विशेष नया नहीं था, पर विपक्ष की लगातार नारेबाजी ने स्थिति को कुछ नया अवश्य बना दिया था। स्थिति यह थी कि संसद के टीवी कैमरे सिर्फ प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ दल को ही दिखा रहे थे, विपक्ष का सिर्फ शोर कुछ-कुछ सुनाई दे रहा था। देखना चाहता था कि देश के निर्वाचित सांसद संसद में कैसे व्यवहार कर रहे हैं। संसद की कार्यवाही सीधी दिखाने की व्यवस्था भी इसीलिए की गयी है, ताकि मतदाता उसे देखकर सांसदों के व्यवहार के बारे में अपने विवेक के अनुसार निर्णय कर सके। यह नागरिक का अधिकार भी है। पर उस दिन मैं अपने इस अधिकार से वंचित कर दिया गया था।नहीं, यह कहीं नहीं कहा गया कि संसद के टीवी के अधिकारियों को किसी ने विपक्ष का चेहरा न दिखाने का निर्देश दिया था, पर सही यह भी है कि सदन के पीठासीन अधिकारी के निर्देश के बिना ऐसा होना भी तो नहीं चाहिए। यह पीठासीन अधिकारी के अधिकार की बात हो सकती है, पर एक नागरिक के नाते मैं तो अपने अधिकार से वंचित हुआ ही! लेकिन क्यों?यही सवाल लोकसभा के अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति द्वारा कार्रवाई से निकाल दिये गये शब्दों के बारे में भी उठ सकता है। लोकसभा में कांग्रेसी नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषणों में से कुछ अंश आपत्तिजनक मानकर कार्रवाई से निकाल दिये गये हैं। ये दोनों इसका विरोध कर रहे हैं, इनका कहना है कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा जिसे आपत्तिजनक माना जाये। निश्चित रूप से यह अध्यक्ष या सभापति के अधिकार क्षेत्र में ही आता है कि यदि सदनों में कुछ आपत्तिजनक कहा गया है तो उसे कार्रवाई से हटा दिया जाये। इस हटा दिये गये अंश को मीडिया प्रसारित नहीं कर सकता।पर टीवी पर संसद की सीधी कार्रवाई दिखाने के इस युग में प्रसारित होने के बाद कुछ कहे-किये को आपत्तिजनक घोषित करके संसद की कार्रवाई से हटा दिये जाने का आखिर क्या अर्थ रह जाता है? क्या इसीलिए उस दिन नारे लगाते विपक्षी सांसदों का चेहरा टीवी पर नहीं दिखाया गया था कि कुछ तो छिपा रह जाये?सत्तारूढ़ दल और विपक्ष, दोनों, के सांसदों और विधायकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मर्यादाओं का पालन करेंगे, और ऐसा कुछ नहीं कहेंगे या नहीं करेंगे जिससे संसद या विधानसभा की गरिमा पर आंच आये। सभ्यता का भी यही तकाज़ा है और संस्कृति का भी। पर हमारी विधायिका के सदस्य आये दिन ऐसा कुछ करते दिखाई देते हैं जो अनुचित लगता है। इस ताज़ा प्रकरण में ही देखें। सदन में सत्तारूढ़ दल के लोग बेंच थपथपा कर मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे और विपक्ष अडानी-अडानी के नारे लगा रहा था। इस शोर-शराबे के औचित्य पर सवालिया निशान लगना ही चाहिए।

हमारे नेताओं को यह समझना होगा कि संसद और सड़क में अंतर होता है। यह सही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लड़ाई संसद में भी चलती है और सड़क पर भी, पर दोनों जगह, यह अपेक्षा की जाती है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों का व्यवहार मर्यादित रहेगा। दुर्भाग्य से, अक्सर मर्यादा का पालन नहीं होता। यह चिंतनीय विषय है, इस पर चिंता भी होनी चाहिए और चिंतन भी।

अक्सर विपक्ष को यह शिकायत रहती है कि उसे अपनी बात रखने का समुचित अवसर नहीं मिलता। और यह शिकायत हमेशा रही है। जब जो विपक्ष में होता है उसे सत्तारूढ़ पक्ष का व्यवहार अनुचित लगता है। सदन में अध्यक्ष या सभापति के आसन के पास आकर नारेबाजी करना या बहिर्गमन कर जाना विपक्ष को विरोध का एक स्वाभाविक तरीका लगता है। संसद के सदनों में जब वर्तमान सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की भूमिका में था तो उसके नेतृत्व द्वारा यह तर्क दिया गया था कि कार्रवाई न चलने देना भी एक कार्रवाई का ही हिस्सा है। विरोध प्रकट करने का यह भी एक तरीका है। सत्तारूढ़ पक्ष जब बहुत ताकतवर होता है, जैसा कि अब है, और जैसा राजीव गांधी के ज़माने में था, तो विपक्ष अपने को असहाय महसूस करने लगता है। ऐसे में उसे सदन की कार्रवाई में रुकावट डालना भी उचित लगने लगता है। जनतांत्रिक परंपराओं का तकाज़ा है।

दलों को, विशेषकर सत्तारूढ़ पक्ष को, याद रखनी चाहिए। वह यह कि हमारे जनतंत्र में जिसके पास बाकियों से अधिक जन-समर्थन हो वह शासन करता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके पास पूर्ण बहुमत है। आज हमारी संसद में जो स्थिति है उसके अनुसार सत्तारूढ़ दल के पास लगभग चालीस प्रतिशत जनता का समर्थन है। इसका मतलब है लगभग साठ प्रतिशत समर्थन विभाजित विपक्ष के पास है। इस विभाजित विपक्ष की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। सत्तारूढ़ पक्ष के पास मात्र चालीस प्रतिशत समर्थन का कवच ही है, यह बात भुलायी नहीं जानी चाहिए। जब कोई प्रधानमंत्री छाती ठोक कर 'रक्षा कवच' की दुहाई देता है तो उसे यह भी समझना चाहिए कि साठ प्रतिशत मतदाताओं ने उसके विरोधियों को समर्थन दिया है। इस समर्थन को न तो कम आंका जाना चाहिए और न ही इसकी उपेक्षा होनी चाहिए। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था सबके अधिकार की रक्षा करने वाली है। इस सोच को सम्मान मिलना ही चाहिए। सबके अधिकार का मतलब यह भी है कि मतदाता को यह अवसर भी मिले कि वह अपने प्रतिनिधि की कथनी-करनी को देख-सुन सके। सदनों की सीधी कार्यवाही की व्यवस्था का भी यही मतलब है।

# राजनीतिक कुकर्मों का फल भुगत रही उद्धव एंड कंपनी..!

भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को शिंदे गुट को शिवसेना नाम दिए जाने का आदेश दिया और बालासाहेब की स्थापित इस पार्टी के चुनावी सिंबल को भी शिंदे साहब को सौंप दिया जो न्याओचित है । आयोग ने कहा कि एकनाथ शिंदे की पार्टी का चुनाव चिह्न धनुष और तीर बरकरार रखा जाएगा।आयोग (ईसीआई) ने कहा कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। बिना किसी चुनाव के पदाधिकारियों के रूप में एक मंडली के लोगों को अलोकतांत्रिक रूप से नियुक्त करना विकृत कर दिया गया है। इस तरह की पार्टी संरचनाएं विश्वास पैदा करने में विफल रहती हैं। चुनाव आयोग ने पाया कि 2018 में संशोधित शिवसेना का संविधान भारत के चुनाव आयोग को नहीं दिया गया। 1999 के पार्टी संविधान में लोकतांत्रिक मानदंडों को पेश करने के अधिनियम को संशोधनों ने रद्द कर दिया था, जिसे आयोग के आग्रह पर दिवंगत बालासाहेब ठाकरे द्वारा लाया गया था। आयोग ने यह भी कहा कि शिवसेना के मूल संविधान के अलोकतांत्रिक मानदंड, जिन्हें 1999 में आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था, को गुप्त तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी एक जागीर के समान हो गई! अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य मंत्री और शिवसेना के वरिष्ठ नेता ने उद्धव ठाकरे ने पत्रकारों को कहा है कि भारत का चुनाव आयोग बीजेपी के केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है और अपनी विश्वसनीयता को खो चुका है और आयोग के आदेश से लोकतंत्र की हत्या हुई है और वे इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देंगे ! पर यह सब राजनीतिक अराजकता का परिणाम

पंकज कुमार मिश्रा ( जौनपुर )

**फिर इनकी शुरुवात संगठन में महासचिव से शुरू होकर अध्यक्ष तक होती है। और फिर जब ये नेता से मिलने आते है तो नेता अपना व्यक्तिगत समय अलग से देता है।उपरोक्त मध्यम में अगर आप समझें कि आप राजनीति का रुख बदल सकते है तो आप कदापि नहीं बदल सकते।राजनीति का भला होता है न देश का। ये राजनीति जरूर है पर उसे क्रांति नहीं की जा सकती। अखिल भारतीय परिवार पार्टी इन सब रास्तों के माध्यम से राजनीति में आने को मनाही करती है।**

है जो उद्धव एंड कंपनी ने खुद से अपने सर लिया है तो भुगत रहें ।अपने पुत्र पुत्रियों को राजनीति में जबरन घुसेड़ने के चक्कर में पार्टियां कैसे खत्म होती है यह उद्धव साहब को कांग्रेस से सिख लेना चाहिए था और उद्धव ठाकरे के लिए संजय राउत विभीषण साबित हुए जिन्होंने रावण की सेना में रहते हुए राम का फायदा कराया । वो संजय राउत ही है जिन्होंने बीजेपी को वेकओवर दे रखा है । यदि आदित्य ठाकरे को राजनीति में ही घुसाना था तो धार्मिक मंचो के जरिए घुसा लेते साहब क्या जरूरत थी धर्म विरोधी ताकतों से हाथ मिलाने की । क्या जरूरत थी शरद पवार जैसे हिंदू विरोधियों के साथ जाने की ? हर क्षेत्र की तरह राजनीति में भी घुसने के कई रास्ते है। इसमें से जो आपके लक्ष्य को पूरा कर दे उसी के हिसाब से राजनीति में एंट्री कर सकते है। राजनीति में आने के लिए समाज सेवा सबसे पहला रास्ता है इस रास्ते में आप समाज सेवा के जरिए लोगो को जोड़ते है और अपने समान इच्छा के लिए काम करते हुए बड़े नेताओं की चापलूसी करते हुए उनकी कृपा से निगम पार्षद से आप करियर को शुरवात कर सकते है और विधायक तक जा सकते है। आप अपने आप का कितना शोषण करवा सकते है यही आपकी सफलता है। राजनीति में आने का ये दूसरा बड़ा तरीका है इसका तरीका थोड़ा अलग है इसके लिए आपको सबसे पहले बड़े नेताओं के कार्यालय पर नजर रखनी पड़ेगी और उनके अरदली और निजी पीए के बारे में जानकारी रख कर उनके द्वारा नेताओ के कार्यालय पर अपनी जगह बनानी पड़ती है। नेता कहां जायेगा उसके रास्ते में लोगो की भीड़ का इंतजाम करना होगा। ऐसा नही है भीड़ जुटाने के लिए आपको जनता के बीच में जाना पड़ेगा। बल्कि किसी एक व्यक्ति का आप उस नेता के कार्यालय के माध्यम से छोटा छोटा काम करवाते रहिए। बस जिसका काम होगा वो 10 आदमी आपके लिए जुटा देगा। बस इसी तरीके से काम का स्तर बढ़ाते रहिए फिर आप नेताओ की लॉबी में घुस जायेंगे। कितना बड़ा आप दलाली कर सकते है उतना बड़ा आपको पद मिलेगा। इसमें जनता का साथ नही चाहिए बल्कि राजतंत्र की जानकारी जरूरी है। राजनीति में प्रवेश का ये रास्ता सिर्फ वायवसायियों के लिए है। आपको पता है की व्यवसाई अपने मार्केट के नेता होते है और मार्केट के काम को करवाने के लिए पैसा उघाह कर नेता को देते है। नेता के लिए एक आयाम खड़ा करते है।

फिर इनकी दिमाग के हिसाब से इनका रुतबा बढ़ता है और

## दो कुलों का मान होती है बेटियां

दो कुलों का मान होती है बेटियां
पूरे घर की जान होती है बेटियां
घर परिवार आबाद करती है बेटियां
थम जाता संसार अगर ना होती बेटियां
घर की जान होती है बेटियां
पिता की आन बान शान होती है बेटियां
बेटों से कम नहीं होती है बेटियां
पिता का गुमान होती है बेटियां
खुद अपमान सह दूसरों को मान देती है बेटियां
मां बहू भाभी पत्नी बनकर सेवा करती है बेटियां
कमियों को भुला जो मिले उसमें खुश है बेटियां
हर हाल में खुश हो मुस्कुराती रहती है बेटियां
अपनीपहचान मिटा दूसरोंकी पहचान अपनातीहै बेटियां
बहू बन सास ससुर की सेवा करती है बेटियां
सुनो जग वालों धन मन हृदय सब कुछ है बेटियां
लक्ष्मी सरस्वती पार्वती का रूप है बेटियां

**एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र**

## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहम्मद मोइन अंसारी पुत्र सलाउद्दीन अंसारी निवासी 573/ 50 महीपत नगर हरिजन बस्ती कैंट कानपुर नगर घोषणा करता हूं कि मोहम्मद मोइन अंसारी और मोहम्मद मोइन नसारी दोनों मेरे ही नाम है और एक ही व्यक्ति है किसी अन्य के नहीं है।

शपथकर्ता
**मोहम्मद मोइन अंसारी**
पता-573/ 50 महीपत नगर हरिजन
बस्ती कैंट कानपुर नगर

# माता पिता का स्थान गुरु से भी ऊंचा है

गोंदिया ।आज के पश्चिमी संस्कृति युग की ओर बढ़ते कदमो से भारतीय संस्कृति भी चपेट में आती आ रही है। यह भूमि राम लक्ष्मण श्रवण भगत प्रल्हाद जैसे महापुरुषों की है, जिन्होंने अपने माता-पिता के एक शाब्दिक आदेश को पत्थर की लकीर मानकर अपना जीवन समर्पित कर दिया था, ऐसे हैं हमारी ईश्वरीय दिव्यशक्ति प्राप्त संतो महात्माओं महापुरुषों बुद्धिजीवियों की भारतीय भूमि जिसे हम नमन करते हैं। परंतु बहुत पीड़ा के साथ लिखना पड़ रहा है कि वर्तमान युग की युवा पीढ़ी में बहुत से मनीषियों के बीच प्रथा चल पड़ी है कि हम ही ज्ञान-विज्ञान अनुभव के बादशाह हैं? हमारे माता-पिता बुजुर्गों को क्या समझता है? उनका दिमाग उम्र के साथ सठिया गया है, पुरानी सोचते हैं नई सोच में ढल नहीं पा रहे हैं, उनको क्या समझता है? इस प्रकार के वाक्य आज के फैशन के अंदाज में कामन हो चुके हैं। मेरा मानना है कि पीड़ित साथी अगर यह आर्टिकल पढ़ रहे होंगे तो मेरा मेरी संवेदनाओं को समझ रहे होंगे जो उन पीड़ित साथियों के लिए है। आज वह समय आ गया है कि बच्चों को कुछ अपने अनुभवों के ज्ञान के मूल मंत्र बताओ या सिखाओ तो, गवार की गाली हंस कर डाली तुल्य, टाल दिया जाता है, हमारे विचारों पर चलने की बात बोली जाती है, दिशानिर्देश सुझाव को हवा में उड़ा दिया जाता है, अपने तथाकथित आधुनिक जीवन के अनुसार माता-पिता व बुजुर्गों को ढालने के लिए उकसाया जाता है, जो उन माता पिता बुजुर्गों की नज़र में नुकसानदेह है।यानें उसके दूरगामी दुष्परिणाम होना निश्चित है, परंतु आधुनिक पाश्चात्य संस्कृति युग की विचारधाराओं के बहकावे में आए वे युवा कुछ समझने को तैयार नहीं है, परंतु मेरा मानना है कि उन युवाओं को याद रखना चाहिए जिन्होनें माता-पिता बुजुर्गों से जीवन के मूल मंत्र सीखना टाल दिया है, उन्हें समय का चक्र अपनी स्टाइल में सबक ज़रूर सिखाएगाहालांकि कोई माता-पिता बुजुर्ग यह नहीं चाहेगा कि उनके बच्चोंके जीवन में कोई तकलीफ हो, परंतु दीड बच्चे अगर सीखना नहीं चाहे तो समयचक्र का डंडा चलना निश्चित है, यह बात उनको समझ में तब आएगी जब चिड़िया चुग गई खेत वाला मुहावरा होगा, याने माता पिता बुजुर्ग सभी इस लोक पर नहीं परलोक धाम गमन कर गए होंगे, तब उन्हें उनकी बात जाकर समझ में आएगी, परंतु तबतक बहुत देर हो चुकी होगी फ़िर कुछ नहीं होगा, समय चक्र की पीड़ा को सहन करना ही पड़ेगा। इसलिए आज भी समय है जो हमारे युवक साथीयों के पास ऑप्शन है, अभी भी अपने माता पिता बुजुर्गों के जीवन के मूल मंत्र अनुभव के अनुसार चलकर अपने दीर्घायु दिव्यकालीन जीवन को सफल बनाएं।

साथियों अगर हम आज के परिपेक्ष में युवाओं की करें तो, आज की भौतिकवादी पीढ़ी में विवाहोपरांत युवक अपने निजी स्वार्थों में इतना लिप्त हो जाते हैं कि वे अपने बूढ़े माता-पिता की सेवा तो दूर अपितु उनकी उपेक्षा करना प्रारंभ कर देते हैं । यह निस्संदेह एक निंदनीय कृत्य है । उनके कर्मों व संस्कार का प्रभाव भावी पीढ़ी पर पड़ता है ।यही कारण है कि समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है टूटते घर-परिवार व समाज सब इसी अलगाववादी दृष्टिकोण के दुष्परिणाम हैं। आज संसार में यदि हमारा कुछ भी अस्तित्व है या हमारी इस जगत में कोई पहचान है तो उसका संपूर्ण श्रेय हमारे माता-पिता को ही जाता है।यही कारण है कि भारत के आदर्श पुरुषों में से एक राम ने माता-पिता के एक इशारे पर युवराज पद का मोह त्याग दिया और वन चले गए थे।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति में माता-पिता के मूल्यों की करें तो, माता-पिता की सेवा द्?वारा प्राप्त उनके आशीर्वाद से मनुष्य जो आत्म संतुष्टि प्राप्त करता है वह समस्त भौतिक सुखों से भी श्रेष्ठ है। मातृदेवो भव, पितृदेवो भव वाली वैदिक अवधारणा को एक बार फिर से प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता है ताकि हमारे देश का गौरव अक्षुण्ण बना रहे। अधिकांश संस्कृतियों में, आमतौर पर वयस्क बच्चों द्वारा बुजुर्ग माता-पिता की कुछ देखभाल की अपेक्षा की जाती है। ये उम्मीदें बुजुर्ग माता-पिता या वयस्क बच्चों के बीच, सामाजिक मानदंडों में और राज्य-वित्त पोषित घरेलू सहायता के लिए आवंटन निर्णयों के अभ्यास में पाई जा सकती हैं। अलग-अलग पार्टियों की अपेक्षाएं अक्सर अभिसरण नहीं होती हैं, जिससे यह सवाल उठता है कि वयस्क बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता के बीच संबंधों में क्या उम्मीदें वैध हैं।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

## आवश्यक सूचना

**प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।**

**- सम्पादक**

## आवश्यकता है

**बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।**

**सम्पर्क करें -:**

मो.: 8423454502, 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com

## अपनी समस्या हमें बतायें

**आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।**

**दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।**

**फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com**

# मंडौली गांव की घटना पर कांग्रेसियों ने जिला मुख्यालय पर किया धरना प्रदर्शन

**सभी कांग्रेसी तिलक हॉल से निकलकर जलूस के रूप में पंहुचे जिला मुख्यालय, मां-बेटी के हत्यारों को फांसी दो, फांसी दो के लगाये नारे**



**बीपीएस न्यूज**

कानपुर । कानपुर देहात के घटनाक्रम में राजनीति शुरू हो गयी है और सभी दल अपनी-अपनी नीति सेट करने में लगे है। शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर उत्तर द्वारा तिलहॉल से भारी संख्या में कांग्रसियों ने जलूस निकाला और जिलामुख्यालय पर पहुंच कर प्रदर्शन किया, काले झंडे दिखाये। इस दौरान मां-बेटी के हत्यारों को फांसी दो, खूनी बुलडोजर योगी सरकार मुर्दाबाद, छत छीनी-जीवन छीना योगी सरकार मुर्दाबाद नारे लगाये।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कमेटी के प्रांतीय अध्यक्ष वीरेन्द्र चैधीर ने कहा कि योगी सरकार में आम आदमी के जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। आज यह सरकार बुलडोजन की कार्यवाई करके लोगों को उजाड रही है। नगर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी ने महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को देते हुए सरकार से जल्द से जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए चेताया और उनकी गिरफ्तारी के साथ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कडी सजा दीलाने की बात कही। उन्होने कहा कि सरकार बुलडोजर की कार्यवाई पर विराम लगाये अन्यथा कांसेगजन जनता के साथ सडक पर उतर कर संघर्ष कर पीडित परिवार को न्याय दिलायेगा। इस दौरान हरिकृष्ण भारती, संजीव दरियाबादी, सोहिल अख्तर अंसारी, राजेश सिह, पवन गुप्ता, सिराज कुरैशी, शमीम आजाद, शंकर दत्त मिश्रा, संजय शाह, संतोष गुप्ता, रोशन भारती, विमला चैहान, हीरालाल निषाद, ग्रीन बाबू सोनकर, विजय, राजेन्द्र बाल्मीकि, इमरान खान आदि उपस्थित रहे।

# भाजपा महिला मोर्चा की बैठक सम्पन्न



**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। आज भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की एक आवश्यक बैठक क्षेत्रीय अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित के नेतृत्व मे जिला कार्यालय नवीन मार्केट में सम्पन्न हुई।बैठक में भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित आगामी नगर निकाय चुनाव एवं सहकारिता चुनावों की तैयारी को लेकर चर्चा की। बैठक में आगामी कार्यक्रमों कि चर्चा करते हुए बताया गया कि मंडल स्तर पर पन्ना प्रमुख, बूथ अध्यक्ष एवं कमल दूत बनाने हैं। जिससे आगामी होने वाले सभी चुनावों और कार्यक्रमों को गति प्रदान होगी। महिला मोर्चा की क्षेत्रीय महामंत्री पुष्पा तिवारी बजट पर चर्चा की और कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए।बैठक में क्षेत्रीय कार्यसमिति लक्ष्मी श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष स्नेहलता दीक्षित, सीमा सिंह, सीमा तिवारी, अनीता चतुर्वेदी, गुंजन शर्मा, सुधा सिंह, सोनी जायसवाल वंदना परिहार, प्रियंका सिंह, प्रतिभा चौहान, संध्या गौतम, सुमन सक्सेना, शोभा शुक्ला, लवली सक्सेना, बेबी शुक्ला, आदि जिले एवं मंडल की बहनें उपस्थित रही।

# एक व्यक्ति के अंगदान से 7 लोगों का जीवन बचाया जा सकता है: मनोज सेंगर

**बीपीएस न्यूज** -कानपुर। जीवन मे अपने लिए तो हर लोग जीवन जीते है जो जीवन दूसरो के लिये जिया जाये उसका एक अपना आनन्द होता है।ऐसी सोच रखने वाले युग दधीचि देहदान प्रमुख व एंटी करप्शन फाउंडेशन आफ इंडिया के संरक्षक मनोज सेगर की है। यह बात पत्रकार वार्ता के दौरान कही, उन्होने सरकार ने अंगदान और अंगदान प्रत्यारोपण के नियमो के बदलाव को सराहते हुये कहा है कि नई पीढ़ी को इसकी उपयोगिता समझ मे आ जायेगी, अंगदान विषय अब स्कूलो मे पढाया जायेगा, विघालयो मे जाकर कार्यशालाए व गोष्ठी कर जागरूक किया जायेगा। एक व्यक्ति के अंगदान से 7 लोगो की जिदगी को बचाया जा सकता है।सह संयोजक माघुवी सेगर का कहना है कि डाइविंग लाइसेंस के साथ अंगदान का फार्म भी भरवाने की उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की गई है।अभी तक 2400 लोगो ने अंगदान का संकल्प भरा है। इस बाबत एंटी करप्शन फाउंडेशन आफ इंडिया के डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज दिलीप कुमार मिश्रा, सीनियर प्रेस सेकेट्री कमल सिंह यादव, डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर जग महेंद्र अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य आदित्य पोद्दार, सनी जायसवाल, आदित्य सिंह यादव ने कहा कि मनोज सेंगर व माघुवी सेंगर लगातार सराहनीय कार्य कर रहे है।हमारी टीम भी अब अंगदान का संकल्प पत्र भरने का भी कार्य करेगी व आमजनमानस को जागरूक कर इस पर नवयुवको को जोड़ने की कोशिश करेगी।

# इंडिया कैंपन एक इंडोर गेम्स का आयोजन



**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन शाखा द्वारा फिट इंडिया कैंपन एक इंडोर गेम्स का आयोजन 18- 19 फरवरी 2023 को ऑडी स्टेडिया TSH इंडोर काम्प्लेक्स पालिका ग्राउंड आर्य नगर मे बैडमिंटन टेबल टेनिस चेस एवं कैरम आई एम ए के चिकित्सक सदस्यों एवं उनके परिवार जनो के लिए आयोजित किया गया।

इस कैंप का उद्घघाटन डॉ ए एस प्रसाद चेयरमेन स्पोर्ट सब कमेटी एवं डॉ पंकज गुलाटी अध्यक्ष आई ?म ए कानपुर ने संयुक्त रूप से किया डॉ प्रसाद ने अपने सम्बोधन मे इस तरह के कार्यकर्म के आयोजन की आवश्कता पर बल दिया, ढ्ढरू कानपुर के अध्यक्ष डॉ पंकज गुलाटी ने आये हुए सभी पप्रतिभागिओ का स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ विशाल सिंह क्रीड़ा सचिव ढ्ढरू कानपुर ने किया तथा अंत मे धन्यवाद ज्ञापन ढ्ढरू कानपुर के सचिव डॉ अमित सिंह गौर ने दिया इस अवसर पर डॉ देवज्योति देव राय डॉ दिनेश सिंह सचान डॉ अनुराग राजोरिया डॉ नीलिमा वर्मा आदि प्रमुख लोग उपस्थिति थे महिलाओ की टी टी कि सिंगल पतियोगिता मे डॉ अलका शर्मा ने डॉ शालनी मोहन को हराया

टी टी के मेंस डबल्स मे डॉ अभिषेक चौहान और राहुल कपूर ने डॉ मानव लूथरा और अतहर मोहमद को हराया बच्चों के सिंगल मे मास्टर आदित्य श्रीवास्तव ने सब्या वरयानी को हराया इसी तरह बैडमिंटन पतियोगिता मे मेंस सिंगल का फाइनल डॉ मानव लूथरा और डॉ दक्ष घरी के मध्य होगा मेंस सिंगल वेटरन का फाइनल डॉ आर के दवे और डॉ हरीश चौधरी के मध्य खेला जायेगा ओमेन्स डबल्स फाइनल डॉ अनन्या दत्ता और डॉ नवतेज शर्मा का मुकाबला पूनम चौधरी और डॉ संगीता आर्या के मध्य होगा ब्यास जूनियर का फाइनल आरुष सक्सेना और अनुग्रह गुप्ता के मध्य खेला जायेगा कैरम पतियोगिता मे डॉ शुभी वरयानी ने डॉ रजनी सिंह को हराया बच्चों के प्रतियोगिता मे अर्नाव मिश्रा ने सव्य वरयानी को हराया तथा ओजस्व सिंह ने संभव वरयानी को हराया इसी तरह से चैस प्रतियोगिता मे डॉ निशांत सक्सेना ने डॉ डिम्पल सोनी को हराया डॉ संजय गुप्ता ने ऐन सी त्रिपाठी को हराया तथा बच्चों कि प्रतियोगिता मे आदित्य श्रीवास्तव ने अतिक्ष श्रीवास्तव को हराया पतियोगिता के बचें हुए शेष फाइनल कल रबिवार को खेला जायेगा तथा अंत मे पतियोगिता के पुरस्कार बितरण कल ही किये जायेगे

# एआरटीओ प्रवर्तन ने स्कूली वाहनों के विरूद्ध चलाया अभियान

## -चार वाहनों का चालान, दो वाहन किए बंद

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। आरटीओ प्रवर्तन विभाग ने शहर के स्कूल में चल रहे बस और वैन के विरुद्ध अभियान चलाया। अभियान के तहत एआरटीओ प्रवर्तन सुनीलदत्त ने 4 वाहनों का चालान और 2 स्कूल वाहन को अरमापुर थाने में बंद किया गया, जिनका फिटनेस, परमिट समाप्त था।एआरटीओ सुनीलदत्त ने बताया कि स्कूल बसो और स्कूली वैन का चेकिंग अभियान जाजमऊ, नौबस्ता अरमापुर क्षेत्र में चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से चल रहे वाहनो के विरूद्ध उनका चालान किया गया, जिसमे 4 वाहनों का चालान और 2 स्कूल वाहनो को अरमापुर थाने में बंद किया गया, जिनका फिटनेस और परमिट समाप्त हो गया था। एआरटीओ सुनीलदत्त ने बताया कि बच्चो की सुरक्षा से खिलवाड करने वाले किसी भी वाहन को नही छोडा जाएगा। अभी तो केवल तीन जगहो पर अभियान चलाया गया है, लेकिन मार्च तक सभी स्कूलो के वाहनो की चेकिंग की जाएगी और कोई भी कमी मिली तो वाहन का चालान और वाहनो को थानो में बंद करने की प्रक्रिया की जाएगी।

# 2 दिव्यांगों ने विवाह हेतु भरे आवेदन



**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। विकलांग एसोसिएशन द्वारा आगामी 8 अप्रैल को दिव्यांगो के लिए होने वाले सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। शास्त्री नगर के सेंट्रल पार्क में लगे पहले दिन शिविर में 13 दिव्यांगजनों ने विवाह के लिए आवेदनपत्र भरे।इस दौरान संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि विकलांग विवाह के अलावा भी अन्य विकलांग सरकारी योजनाओ जैसे रेलवे रियायती प्रमाण पत्रद्ध रेलवे यूनिक कांउ, यूडीआईडी कार्ड, विकलांग पेंशन, कृतिम अंग उपकरण, दुकान संचालन ऋण योजना तथा विकलांग विवाह पुरसकार योजना के भी फार्म भरे गये। बताया कि जो दिव्यांग सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेना चाहते है वह शिविर में आकर अपना पंजीकरण करवा सकते है। इस दौरान अलपना कुमारी, राहुल कुमार, आनन्द तिवारी, गुडडी दीक्षित, गौरव कुमार, वैभव, बंगाली शर्मा आदि मौजूद रहे।

# नारायण धाम में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शिवरात्रि पर्व पर एलआईसी पार्क स्थित नारायण धाम में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एलआईसी पार्क स्थित नारायण धाम में यह आयोजन काफी खास रहा। कार्यक्रम का आयोजन वैदिक स्कूल ऑफ डांस एंड म्यूजिक और सब सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।वैदिक स्कूल ऑफ डांस एंड म्यूजिक की स्थापक वर्षा दिक्षित ने बताया कि %थिरक% एकेडमी का यह वार्षिक महोत्सव है। वर्षा दीक्षित ने बताया की दक्षिण भारत में सांस्कृतिक नृत्य के विद्यार्थियों की जब वार्षिक दीक्षा पूर्ण होती है तब 'अरंगेत्रम सेरेमनी% आयोजित की जाती है जिसमें वह अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं मंदिर के प्रांगण में ईश्वर के समक्ष करते हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ पुष्पांजलि नृत्य से हुआ और इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए श्लोक माला जिसमें शिव-पार्वती, दुर्गा जी और गणेश जी आदि देवी-देवताओं की नृत्य स्तुति कर उनका आवाहन किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए छात्रों ने सूर्य वंदना, अर्धनारीश्वर, ऐहिगिरी नंदिनी, अधरम मधुरम, चंद्रचूर शिव, विट्ठल विट्ठल, श्री राम, शंकरा शिव आदि गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया।छात्रों का नृत्य देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो उठा, सभी उनके नृत्य और भाव भंगिमा की तारीफ करते नहीं थक रहे थे। समय-समय पर नीलिमा जी शिव शिवरात्रि की महत्ता और हिंदू परंपरा को भी समझाती जा रही थी।कार्यक्रम के सहयोगी सनोरा ब्यूटी लॉन्ज और पतंजलि योगांजलि भी उपस्थित रहे। थिरक ऑर्गेनाइजिंग कमिटी में नीलिमा बाजपेई, वर्षा दीक्षित, संजीव शुक्ला, धर्मेंद्र द्विवेदी, सोनाक्षी दीक्षित, सोफिया इमैन्युअल, गौरव शर्मा, नंदिता मिश्रा, सौम्या मोहिनी शुक्ला, हर्ष अग्रवाल, छाया शुक्ला, रश्मि गुप्ता, सीमा त्रिवेदी, रचना अवस्थी, अभिषेक पांडे सभी उपस्थित रहे।

# सरकारी सुरक्षा दिए जाने की मांग

कानपुर। मंडौली गाँव हुए दोहरे हत्याकांड में दो महिलाओं की जलकर दर्दनाक मौत हो जाने से आक्रोशित मैं ब्राह्मण हूँ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गेश मणी त्रिपाठी ने कानपुर प्रेसक्लब में वार्ता करते हुए बताया कि मंडौली में प्रसाशनिक अधिकारियों द्वारा दीक्षित परिवार पर अवैध कब्जे का आरोप लगा कर घर बुल्डोजर से गिरा दिया जिसमें दो महिलाओं की मौत हो गई। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जब उन्हें न्याय दिलाने हेतु पोस्टमार्टम हाउस गए तो वहाँ राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, उनके पति( पूर्व सांसद) अनिल शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य कृष्णा गौतम द्वारा अध्यक्ष पर जानलेवा हमला किया गया। भद्दी- भद्दी गालियां देकर और चप्पल फेंक कर पूरी तरह अपमानित किया गया

# अस्पताल के अन्दर आवारा कुत्तों ने अपना रैन बसेरा बना लिया



**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। अपर इंडिया शुगर एक्सचेंज जच्चा बच्चा अस्पताल के अन्दर अब आवारा कुत्तो ने अपना रैन बसेरा बना लिया है। विभागध्यक्ष और सीएमएस को अस्पताल के अन्दर की गतिविधियां बिल्कुल दुरूस्त दिखाई देती है क्यों अस्पताल उनकी नजर में बिल्कुल ठीक और सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। फिर चाहे वहां कुत्ते लोटे या फिर गाय, बैल उनको सब दुरूस्त दिखाई पडता है।

मेडिकल कालेज से सम्बंद्ध अस्पताल हैलट के जच्चा बच्चा अस्पताल को प्राचार्य ने काफी दुरूस्त कराने का काम कर रहे और उसके सुन्दरीकरण के लिए भी प्रयासरत है जबकि वहीं स्त्री रेग विभाध्यक्ष डा0 नीना गुप्ता और सीएमएस डा0 रीता गुप्ता ने अस्पताल को कुत्तो के भरोसे पर छोड दिया है जहां उन्होंने अपना नया ठिकाना बना लिया। कुत्ते बेफ्रिक होकर बेडो पर इस कदर सो रहे है जैसे वह खुद मरीज हो। लेकिन विभाग की इन दोनो अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में नही लिया। अगर दोनो अधिकारियों से कोई भी बात पूछने पर वह अपना स्पश्टीकरण कुछ इस तरह से प्रस्तुत करते है जैसे उन्होंने अस्पताल को खुद गोद लेकर वहां पर सारी सुविधाएं चुस्त और दुरूस्त कर रखी है। विभागध्यक्ष की कारखास नर्से कमरे में केवल हंसी मजाक और टहलने में अपना समय वयतीत करती है जबकि सफाई कर्मी और सुरक्षा गार्ड केवल अपना वेतन पाने के लिए कार्य करते है बाकी उनको इस बात से काई फर्क नही पडता है कि परिसर में कुत्ते सो रहे है या फिर गाय भैंस।

अस्पताल को सुरक्षित बताने वाली विभागध्यक्ष और सीएमएस के सह कर्मी के कमरे से एक इंवर्टर गायब हो गया जिसकी खबर कानो कान किसी को नही हुई। गार्ड के रहते परिसर से इंवर्टर चोरी हो जाना अस्पताल की सुरक्षा पर एक सवालिया निशान खडा करता है। यही नही इससे पूर्व भी कई मरीजो के मोबाइल फोन भी चोरी हुए है जिन्होंने प्राइवेट रूम ले रखा रखा। अब इस घटना से साफ प्रतीत होता है कि चोर कही बाहर का नही बल्कि अन्दर का ही, लेकिन सीएमएस और विभागध्यक्ष ने मामले को दबा दिया।

# भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रहमा का मोह किया भंग: आचार्य आर्दश



**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शास्त्री नगर के श्री रामलला गोपाल मन्दिर में चल रही श्रीमद्धागवत कथा के षष्टम दिवस पर भगवान द्वारा ब्रहमा का मोह भंग, इन्द्र का मान भंग व रूकमणि विवाह का प्रसंग के बारे व्यास जी द्वारा भक्तो को श्रवण कराया गया।

श्रीमद्धागवत कथा के छठवें दिन कथा वाचक आचार्य आर्दश जी महाराज ने भगवान की महिमा का गुणगान करते हुए बताया कि ब्रहमा जी को जब मोह हो गया तो वह भगवान श्रीकृशण की परीक्षा लेने पहुंच गए और उन्होंने सभी गायों और गवालो को गायब कर दिया जिसका भान भगवान को हो गया और उन्होंने अपने ही रूप से कई गायो और गवालो को प्रकट कर दिया। जब एक वर्श बाद ब्रहमा जी गुफा में पुहंचे जहां सबाके बंद किया था वह सभी वहां पर पाए गए जब ब्रहमा जी ने भगवान से प्रार्थना की जिस पर भगवान ने सारी माया को हटा दिया जिससे ब्रहमा जी का मोह भंग हो गया।इन्द्र ने भी अभिमान में घोर बर्शा की, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने उनका भी अभिमान नश्ट कर दिया और गोवर्धन की पूजा करा अपना स्वरूप स्थापित किया और ब्रज की रखा की। कथा के क्रम में काकादेव थानाध्यक्ष व गोल्डन बाबा ने पहुंच कर भगवान के श्री चरणो में नमन किया व कथा व्यास जी का सम्मान किया। कथा में मुख्य रूप से मन्दिर के महन्त 108 श्री बलरामदास जी महाराज एवं मन्दिर के सदस्य महेश श्रीवास्तव, राम कुमार अवस्थी, राम चन्द्र शुक्ल पूर्व उपनिरीक्षक, सी.पी.पाठक, देवेन्द्र अग्निहोत्री, हरी शंकर शर्मा समेत तमाम सहयोगी सदस्यगण मौजूद रहे।

# जन्म दिवस पर हुआ रुद्राभिषेक व प्रियजनों ने काटा केक

कानपुर। सांसद सत्यदेव पचौरी के जन्मदिन पर भक्तिपूर्ण सादगी से भरे समारोह का आयोजन उनके निज निवास काकादेव में किया गया। ढ्ढ इससे पूर्व भूतभावन भगवान शिव संग माता पार्वती की महारात्री के पावन पर्व महा शिवरात्रि के अवसर परिवारीजनों के साथ रुद्राभिषेक का भी अयोजन हुआ। इस अवसर पर नगर के विभिन्न संगठनों एवं वर्गो ने अत्यंत हर्षो उल्लास के साथ सहभागिता की ।दिवस पर्यंत चले इस कार्यक्रम में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, सफाई कर्मचारी आयोग, बाल्मीकी समाज, पाल समाज, अल्पसंख्यक समाज, शासकीय कार्यों की निगरानी करने वाली दिशा समिति की राज्य स्तरीय व जिला कार्यकारिणी के अलावा स्वर्णकार समाज के कर्मठ जनों का आवागमन अनवरत जारी रहा। उक्त कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकताओं अपने लोकप्रिय सांसद को पुष्प गुच्छ समर्पण, माल्यार्पण, तिलक करते हुए केक भी काटा। विभिन्न संगठनों के सहयोगियों का सम्बोधित करते हुए सांसद ने युवाओं को संस्कारित रहते हुए प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी ।

# राजभवन में लगाई साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी



**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में 17 से 20 फरवरी ( चार दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप - 2, कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1, तथा आलू की कुफरी नीलकंठ, आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर.बी.सिंह ने बताया कि प्रदेश के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि मंत्री द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया।

विश्वविद्यालय के पंडाल में मटर एवं आलू की नीलकंठ प्रजाति की प्रमुखता से जानकारी ली। तथा प्रदर्शनी में आए हुए लोगों का आलू की नीलकंठ एवं प्याज की भीमा सुपर प्रजाति आकर्षण का केंद्र बनी।।डॉक्टर सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में दर्शाए गए आलू में कुफरी चिप्सोना, कुफरी फ्राईसोना, सहजन उत्पाद एवं संरक्षित उत्पाद के साथ ही सब्जी मटर की आजाद मटर- 3, टमाटर की आजाद टमाटर-6 एवं संरक्षित सब्जियों के प्रति दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह सहित सब्जी विज्ञान विभाग के डॉ डीपी सिंह, आई एन शुक्ला, डॉ निजामुद्दीन लारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# प्राधिकरण की संम्पत्तियों के डिमार्केशन के लिये नई तकनीक का प्रेजेन्टेशन

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। श्री अरविन्द सिंह, उपाध्यक्ष महोदय के समक्ष कानपुर विकास क्षेत्र में प्राधिकरण की सम्पत्तियों के डिमार्केशन के लिये ई-स्टर्लिंग नेवीगेशन प्रा0 लि0 कम्पनी के द्वारा डी0जी0एन0एस0एस0 तकनीक के प्रयोग के सम्बन्ध में दिया गया प्रेजेन्टेशन।

श्री अरविन्द सिंह, उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण की सम्पत्तियों के डिमार्केशन के लिये नवीनतम डिजिटल तकनीक का प्रयोग किये जाने के दिये गये निर्देश।

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा इस नवीनतम डिजिटल तकनीक का

प्रयोग सर्वप्रथम प्राधिकरण द्वारा मैनावती रोड एवं कल्यानपुर-बिठूर रोड के मध्य विकसित की जा रही न्यू कानपुर सिटी में किये जाने के निर्देश दिये गये।इस तकनीक के प्रयोग से दूरस्थ क्षेत्र में स्थित सम्पत्तियों का डिमार्केशन किया जा सकता है। इसके माध्यम से किसी भी लैण्ड पार्सल की जियो टैगिंग आसानी से की जा सकती है, इसकी सहायता से हम प्राधिकरण की सम्पत्तियों का डिजिटल मैप भी बना सकते।उपाध्यक्ष महोदय के समक्ष दिये गये इस प्रेजेन्टेशन में जिला प्रशासन से उप जिलाधिकारी, सदर व टीम तथा कानपुर विकास प्राधिकरण से सचिव, समस्त अधिशाषी अभियन्तागण, विशेष कार्याधिकारी (लैण्ड बैंक), तहसीलदार व अमीन द्वारा प्रतिभाग किया गया।

# दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने बांटी सौ मोटराईज ट्राईसाईकिल

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दवारा संचालित कृतिम अंग सहायक उपकरण योजना उनकी आवश्यकतानुसार 100 दिव्यांगजन को मोटराइज ट्राई साईकिल, 25 ट्राई साईकिल, 05 व्हील चेयर, 05 बैसाखी वितरित की गयी।मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार व उप निदेशक दिव्यांगजन लाल मनी मौर्या ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व वीरेन्द्र कुमार ने मंच का संचालन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे पूर्व मंत्री निलिमा कटियार ने अपने सम्बोधन मे कहा की सरकार दिव्यांगजनो के प्रति संवेदनशील है। दिव्यांगजन को समाज में बराबरी का दर्जा मिले इसके लिए प्रयासरत है। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने कहा की दिव्यांगजन को जहाँ मेरी जरूरत महसूस हो हमे याद करे। हम आपकी सेवा के लिए सदैव तत्पर है। सरकार दिव्यांगजन के उत्थान के लिए कृत संकल्प है।

कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया की सरकार दिव्यांगजन को विवाह पुरस्कार के रूप में दोनो व्यक्तियों के दिव्यांग होने पर 35 हजार रूपया, रोजगार के लिए दुकान संचालन के लिए दस हजार रूपया, दुकान निर्माण के लिए बीस हजार रूपया देती है। दिव्यांग पेंशन के लिए प्रति माह 1000 रूपया दिव्यांगजनों को सरकार की तरफ से मिलते हैं।

जो दिव्यांगजन मोटराईज ट्राई साईकिल व अन्य योजनाओं का लाभ लेना चाहते है वो तत्काल सम्पर्क कर सकते है।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष के प्रतिनिधि सुरेन्द अवस्थी, उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग कानपुर लाल मनी मौर्या, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम, अध्यक्ष विकलांग एसोसिएशन वीरेन्द्र कुमार, संयोजक भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ हृदेश सिंह एवं अनुपमा जैन, जिला कार्यालय के प्रशान्त कुमार गोविन्द आदि उपस्थित थे।

# 970 किलो प्रतिबंधित सामग्री को जब्त किया, डेढ़ लाख रुपए जुर्माना भी लगाया

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। नगर निगम के नगर आयुक्त श्री शिवशरणप्पा जी0एन0 के आदेश पर नगर निगम प्रवर्तन अधिकारी कर्नल आलोक नारायण के नेतृत्व में प्रवर्तन दल द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर देर रात नाके लगाए गए। चेकिंग में कारगिल पेट्रोल पंप के पास 3 लोडर प्रतिबंधित प्लास्टिक ग्लास ले जाते हुए पकड़े गए।एक लोडर 200 किलो ग्लास पनकी स्थित कानपुर क्लासिक फैक्ट्री से किदवई नगर सप्लाई के लिए ले जा रहा था।

बाकी दो लोडर 770 किलो ग्लास अवस्थी ट्रेडिंग कंपनी, पनकी से लोड कर एक गाड़ी फतेहपुर और दूसरी नयागंज जा रही थी। 13 फरवरी की रात को प्रवर्तन दल द्वारा अवस्थी ट्रेडिंग कंपनी का एक ट्रक 1330 किलो ग्लास गोंडा ले जाते हुए पकड़ा गया था।तीनों वाहनों को रात में ही नगर निगम लाकर पूरा माल जब्त कर लिया गया। नगर आयुक्त के आदेश पर जब्त प्लास्टिक ग्लासों की खेप को कूड़ा कॉम्पैक्टर गाड़ी से दबवा कर निस्तारण हेतु पनकी कूड़ा प्लांट भिजवा दिया गया जिससे जब्त माल का दुरुपयोग ना हो पाए।इस सम्बन्ध में नगर आयुक्त द्वारा स्वयं अपने सामने प्लास्टिक ग्लासों की खेप को कूड़ा कम्पैक्टर वाहन से दबवाया गया।

तीनों गाडियों से कुल 970 किलो प्रतिबंधित सामग्री को जब्त किया गया और कुल डेढ़ लाख रुपए जुर्माने के रूप में राजस्व निरीक्षक अरविंद मिश्रा द्वारा वसूला गया।इस अभियान में प्रवर्तन दल के सूबेदार अवधेश सिंह, लक्ष्मण सिंह, वीरेंद्र स्वरूप, रामेंद्र सिंह, हवलदार धनंजय, जितेंद्र सिंह, रामनरेश, इंद्रजीत, भूपेंद्र, राजेश, राज नारायण, जितेंद्र बहादुर इत्यादि शामिल रहे। नगर आयुक्त ने प्रवर्तन अधिकारी कर्नल आलोक नारायण एवं उनकी टीम द्वारा किए गए उक्त कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में इसी प्रकार के कार्यों को अन्जाम दिये जाने हेतु प्रेरित किया गया।

# पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : मंडल अध्यक्ष

घाटमपुर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल कार्यालय पर मासिक बैठक जिला अध्यक्ष राम चीज निषाद के तत्वाधान में आयोजित की गई।बैठक में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष श्री दीपक श्रीवास्तव जी का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया मंडल अध्यक्ष जिला संरक्षक व जिला अध्यक्ष द्वारा नवनिर्वाचित जिला महामंत्री राजबहादुर दूरियां एवं एवं तहसील अध्यक्ष कानपुर नगर शिव नारायण सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष विपिन गुप्ता इंद्र सिंह उपाध्यक्ष विपिन कुमार गुप्ता उपाध्यक्ष अजय गुप्ता महामंत्री जितेंद्र अवस्थी महामंत्री राजवीर सिंह राजेश कश्यप जिला कोषाध्यक्ष राकेश कश्यप ,हरदीप निषाद सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गणों हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी ।

# सोसायटी लि. कब्जा प्रकरण की निष्पक्ष जाँच की मांग

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। अन्नपूर्णा कोआपरेटिव सोसायटी लि0 के सचिव विष्णुकांत मिश्रा ने प्रेसक्लब में वार्ता करते हुए बताया कि उन्होंने 1985 में एक संक्रमणीय भूमि आराजी नम्बर 233 मौजा कोरिया तहसील नर्वल का पंजीकृत बैनामा कराया था। सचिव ने उसके छोटे छोटे प्लाट काट कर पट्टे/विक्रय पत्र कई लोगों को किया।अब उक्त भूमि पर भू माफिया दिलीप सिंह, आशीष सिंह, गोलू ठाकुर, प्रदीप कुमार यादव निवासी अहिरवां, बउवा यादव निवासी रेलबाजार, जय सिंह निवासी टाटिया, झनाकु कानपुर नगर आदि ने जबरन कब्जा कर लिया है। इसकी लिखित शिकायत 24 नवम्बर को पुलिस कमिश्नर से किया जिन्होंने एसएचओ को गम्भीरता से जाँच कर तुरंत वैधानिक कार्यवाही का आदेश दिया।

इस समय न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन कानपुर में वाद सँ0 अन्नपूर्णा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि0 बनाम दिलीप सिंह आदि विचाराधीन है। परन्तु इन सबके बावजूद एस0 एच0ओ0 चकेरी जबरन कब्जा करने वालों को संरक्षण प्रदान करते हुए कब्जा करा दिया है।इन उपरोक्त अपराधियों के विरुद्ध अपराध सँ धारा आई0पी0सी0 में पंजीकृत हैं। वर्तमान 14 फ़रवरी को उपरोक्त सभी अपराधियों द्वारा पुन: कब्जा किये जाने के विरुद्ध पुलिस कमिश्नर को प्रार्थना पत्र लिखकर दिया लेकिन चकेरी एसएचओ ने कब्जा करा दिया है। हाउसिंग सोसायटी के सचिव ने प्रसाशन से मांग की है कि इस प्रकरण की सत्यता को जाँच करें व निष्पक्ष निर्णय करें।

# क्षय रोगी खोजने में मददगार बनें टीबी चैम्पियन: डीटीओ

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत जिला क्षय रोग इकाई पर सहयोगी संस्था वर्ल्ड विजन इंडिया के सहयोग से शुक्रवार को टीबी चैम्पियन की समीक्षा बैठक हुई। इसमें सपोर्ट हब के सभी टीबी चैंपियन ने प्रतिभाग किया। बैठक में पिछले तीन माह में टीबी चैम्पियन द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला क्षय रोग अधिकारी डा एपी मिश्रा ने की। जिला क्षय रोग अधिकारी ने टीबी चैम्पियन को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से 20 फरवरी से शुरू होने वाले सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान (एक्टिव केस फाईंडिंग) में सहयोग करने के लिए कहा। इसके अलावा टीबी चैम्पियन जब भी सामुदायिक बैठकें करें वह प्रचार प्रसार सामग्री का प्रयोग जरूर करें। उन्होंने वर्ल्ड विजन संस्था से जुड़े सभी टीबी चैम्पियन को बताया कि दो हफ्ते से अधिक समय से खांसी आ रही हो, लगातार वजन कम हो रहा हो और कमजोरी का अहसास हो तो टीबी की जांच करानी चाहिए7 इस मौके पर एसटीएलएस महेंद्र शर्मा और टीबी चैम्पियन सहित कुल 16 लोग उपस्थित रहे।

# जैविक खेती हेतु किसानों को कर रहे प्रेरित

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान जैविक खेती हेतु किसानों को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए किसानों को गांव गांव जाकर स्वयं केचुआ की खाद तैयार करा रहे हैं।इसी क्रम में हुए ग्राम दया का पुरवा, विकासखंड झींझक, जनपद कानपुर देहात के प्रगतिशील कृषक सुशील कुमार कुशवाहा के घर के सामने केंचुआ खाद तैयार करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंचुआ खाद मिट्टी के स्वास्थ्य हेतु बहुत ही लाभकारी है।इस खाद में सभी 17 पोषक तत्व पाए जाते हैं।जिससे फसल गुणवत्ता युक्त होती है।

उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में केंचुआ की खाद हेतु आईसीनिया फोइटीडा नामक केंचुआ की प्रजाति सर्वोत्तम रहती है। जिससे लगभग 2 माह में खाद बनकर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस खाद में पोषक तत्व लगभग 15 प्रतिशत जीवांश कार्बन, 1.30 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.95 फास्फोरस एवं 0.75 प्रतिशत पोटाश पाया जाता है।इसके अतिरिक्त अन्य सभी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो अन्य खादों में नहीं होते हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ में सुधार होता है।तथा किसान की फसल लागत भी कम होती है और जो उत्पाद होता है। व गुणवत्ता युक्त होता है जो स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी है।

# एसआईटी की टीम घटनास्थल पर जांच करने के लिए पहुंची

## फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस ने दी ताबड़तोड़ दबिशें

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर देहात। कानपुर देहात में मड़ौली कांड में निलंबित हत्यारोपी लेखपाल व जेसीबी चालक को पुलिस ने जेल भेज दिया है। जबकि हत्यारोपी एसडीएम, एसओ समेत अन्य नामजद आरोपियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस की चार टीमें गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। वहीं, शुक्रवार को एसआईटी की टीम घटनास्थल पर जांच करने के लिए पहुंची।

मैथा तहसील क्षेत्र के मड़ौली गांव में बीती 13 फरवरी को अतिक्रमण हटाने के दौरान राजस्व व पुलिस टीम के सामने मां-बेटी की झोपड़ी में आग से जलकर मौत हो गई थी। मामला तूल पकड़ने के बाद मृतका प्रमिला दीक्षित के बेटे शिवम दीक्षित की तहरीर पर मड़ौली गांव निवासी अशोक दीक्षित, अनिल दीक्षित, निर्मल दीक्षित, विशाल, एसडीएम मैथा ज्ञानेश्वर प्रसाद, जेसीबी चालक दीपक, लेखपाल मड़ौली अशोक सिंह, अज्ञात कानूनगो, तीन अन्य अज्ञात लेखपाल, रूरा एसओ दिनेश कुमार गौतम, 12 से 15 महिला व पुरुष पुलिस कर्मी व 10 से 12 अन्य लोगों के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, आगजनी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मामले में पुलिस ने आरोपी लेखपाल अशोक कुमार चैहान व जेसीबी चालक दीपक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जबकि निलंबित एसडीएम ज्ञानेश्वर प्रसाद, निलंबित एसओ दिनेश गौतम, समेत अन्य नामजद आरोपी अभी तक फरार चल रहे हैं। आरोपितों के घर पर ताला लगा है। साथ ही मोबाइल भी बंद बता रहे हैं। पुलिस की चार टीमों ने रूरा, रसूलाबाद व अकबरपुर क्षेत्र में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका है। वहीं अब एसआईटी की विवेचना करने से पुलिस की सहयोगी भूमिका में रहेगी।

# ट्रक की टक्कर से आटो सवार महिला की मौत

**बीपीएस न्यूज**

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र शुक्रवार सुबह रामपुर मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो सवार महिला गुड़िया पत्नी संदीप 32 की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई जब कि महिला का पति, संदीप पुत्र राजाराम 35, व राम बहादुर पुत्र उमेश 26 निवासी गांव कछवाइनपुर थाना गजनेर घायल हो गए जिन्हें मौके पर पहुंची सजेती पुलिस ने घायलों को भेजा जिलास्पताल हमीरपुर जहां से उन्हें गंभीर होने कानपुर रिफर किया गया है। एस ओ सजेती पवन कुमार ने बताया कि मृतिका की पंचायत नामा की कार्यवाही हमीरपुर से करवाकर शव को पीएम के लिए भेजा जाएगा साथ ही तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जायगी।

# समाजवादी पार्टी समाप्त होती हुई पार्टी है : नंदी

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी रविवार को कानपुर पहुंचे। उन्होंने विकास भवन में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि विरासत में गद्दी मिल सकती है, लेकिन बुद्धि नहीं। समाजवादी पार्टी समाप्त होती हुई पार्टी है।उन्होंने कहा कि साल 2012 में मुलायम सिंह यादव को मैंडेट मिला लेकिन उन्होंने अखिलेश यादव को सत्ता पर बैठा दिया था। लेकिन इसके वो वीडियो गेम खेलने में मशगूल रहे। और इसके बाद अखिलेश यादव ने अपने पिता को लात मारकर पार्टी पर कब्जा कर लिया। नंदी की माने तो कांग्रेस पार्टी और समाजवादी पार्टी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। औद्योगिक विकास मंत्री का कहना है कि जिस तरह राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को खत्म कर दिया है उसी तरह समाजवादी पार्टी को अखिलेश यादव भी खत्म करत जा रहे हैं।

कानपुर के प्रभारी बनाकर महानगर भेजे गए औद्योगिक विकास मंत्री के बयानों से समझा जा सकता है। नंदी से चाचा और भतीजे की जुगलबंदी में होने वाले हमले के बाबत पूछा गया तो नंदी ने कहा कि चाचा को सद्बुद्धि की जरूरत है क्योंकि कई बार अखिलेश यादव ने अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव को मंच से धक्का देकर खदेड़ दिया था।

## ब्राम्हण महासभा के अध्यक्ष पर राज्यमंत्री के इशारे पर दर्ज हुई एफआईआर

कानपुर। ब्राम्हण महासभा के अध्यक्ष पर SC/ST की FIR, इसे कहते हैं सत्ता की हनक राज्यमंत्री के इशारे पर ब्राम्हण महासभा के अध्यक्ष पर दर्ज हुई एफआईआर, कानपुर देहात में जिन्दा जलकर मरने वाली ब्राम्हण माँ-बेटी की इंसाफ़ आवाज बुलंद करने गए दुर्गेशमणि खुद हुए सत्ताधारियों की साजिश का शिकार, पहले खुले आम अख़बरपुर पोस्टमार्टम में भाजपा की जिला पंचायत सदस्य कृष्णा गौतम से दुर्गेशमणि त्रिपाठी को चप्पलों से पिटवाया और भरपूर गाली गलौज दिलवायी जिसका वीडियो भी पूरे देश मे वायरल हुआ था और अब उसी जिला पंचायत सदस्य कृष्णा गौतम की तहरीर पर कानपुर देहात के रूरा थाने में एससी/ एसटी का मुकदमा पंजीकृत करवा दिया गया और वही घटना के बाद से अधिकारियों के चौखटों की परिक्रमा कर रहे दुर्गेश मणि की किसी ने नही सुनी।

# जूनियर सिंगल मे अनुग्रह गुप्ता ने अनुराग सक्सेना को हराया

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा द्वारा फिट इंडिया कैंपन को संज्ञान मे लेते हुए एक इंडोर गेम्स का आयोजन 19 पालिका ग्राउंड आर्य नगर कानपुर मे किया गया बैडमिंटन% टेबल टेनिस चेस एवं कैरम आई एम ए कानपुर के चिकित्सक सदस्यों एवं उनके परिवार जनो के लिए तक आयोजित किया गयाप्रतियोगिता के द्वितीय दिन आज प्रीतियोगिता के सभी मैचो के सेमी फाइनल और फाइनल मैच खेले गए विजेताओं के नाम निम्नलिखित है टेबिल टेनिस पतियोगिता मे बेटरन सिंगल 60 इयर्स सदस्यों मे डॉ आर के दवे ने डॉ धीरेन्द्र कुमार को हराया पुरुषो के मेंस सिंगल मे डॉ मानव लूथरा ने डॉ आर के दवे को हराया मेंस डबलस के फाइनल मे डॉ आभिशेख चौहान एवं डॉ राहुल कपूर ने डॉ मानव लूथरा और डॉ मोहमद अतहर को हराया महिलाओ के सिंगल ग्रुप कि प्रतियोगिता मे डॉ अलका शर्मा ने डॉ शालिनी मोहन को हराया बच्चों के ग्रुप मे आदित्य श्रीवास्तव ने सव्य वरयानी को हराया इसी तरह वैडमिंटल प्रतियोगिता मे मेंस सिंगल मे डॉ मानव लूथरा ने डॉ दक्ष घरी को हराया महिला सिंगल ग्रुप मे डॉ संगीता आर्या ने डॉ नीता यादव को हराया महिला डबलस ग्रुप मे पूनम चौधरी और डॉ संगीता आर्या ने डॉ अनन्या दत्ता और डॉ नवतेज शर्मा को हराया मिक्स डबल मे डॉ प्रमोद कुमार और डॉ संगीता आर्या कि जोड़ी ने डॉ हरीश चौधरी और डॉ पूनम चौधरी को हराया मेंस वेटरन सिंगल मे डॉ हरीश चौधरी ने डॉ आर के दवे को हराया गर्ल्स सिंगल मे कुमारी सान्वी शिवहरे ने कुमारी इसिता सहाय को हराया इसी तरह ब्यास जूनियर सिंगल मे अनुग्रह गुप्ता ने अनुराग सक्सेना को हराया ब्याईज सब जूनियर सिंगल ग्रुप मे शिवांस गुप्ता ने अविरल यादव को हराया ब्याईज जूनियर डबल मे अनुग्रह गुप्ता और आश्विन वर्मा कि जोड़ी ने आरुष सक्सेना और प्रखर मौर्या कि जोड़ी को हराया

# राधा कृष्ण पर फूलों की वर्षा के साथ हुआ कथा का समापन

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शास्त्री नगर के श्री रामलला गोपाल मन्दिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अन्तिम दिवस पर रूकमणि विवाह, सुदामा चरित्र , परीक्षित परलोक प्रसंग के बारे व्यास जी द्वारा भक्तो को श्रवण कराया गया।

श्रीमद्भागवत कथा के अन्तिम दिन कथा वाचक आचार्य आर्दश जी महाराज ने कथा में बताया कि किस तरह से राजा परीक्षित का परलोक गमन हुआ। भगवान दत्रात्रेय की 24 गुरूओ की कथा व अगामी होने वाली कलिकाल के परिणाम के बारे में बताया तथा सतयुग आरम्भ विस्तार को प्रकाशित किया। रूकमणि का विवाह बताया। कथा के समापन के दौरान भारी भक्तो की भीड मौजूद रहे रही। इस दौरान भगवान राधाकृष्ण का रूप में बाल कलाकरो का पुष्प वर्षा कर लोगो ने सुन्दर नृत्य किया जिससे उपस्थित सभी भक्तगणा झूम उठे। कथा में मुख्य रूप से मन्दिर के महन्त 108 श्री बलरामदास जी महाराज एवं मन्दिर के सदस्य महेश श्रीवास्तव, राम कुमार अवस्थी, राम चन्द्र शुक्ल पूर्व उपनिरीक्षक, सी.पी.पाठक, देवेन्द्र अग्निहोत्री , हरी शंकर शर्मा समेत तमाम सहयोगी सदस्यगण मौजूद रहे।

# उर्द-मूंग उत्पादन तकनीक पर हुआ प्रशिक्षण

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। सीएसए के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी विकासखंड शिवराजपुर में जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3, कनिका, एवं उर्द की शेखर-1, शेखर-2, आई पी यू 13-1, आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों

को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी डी यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के प्रेम चंद्र जी ने की।जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर ओम प्रकाश, विक्रमाजीत सिंह, अनुराग त्रिपाठी, दिनेश।एवं सौरभ कटियार सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

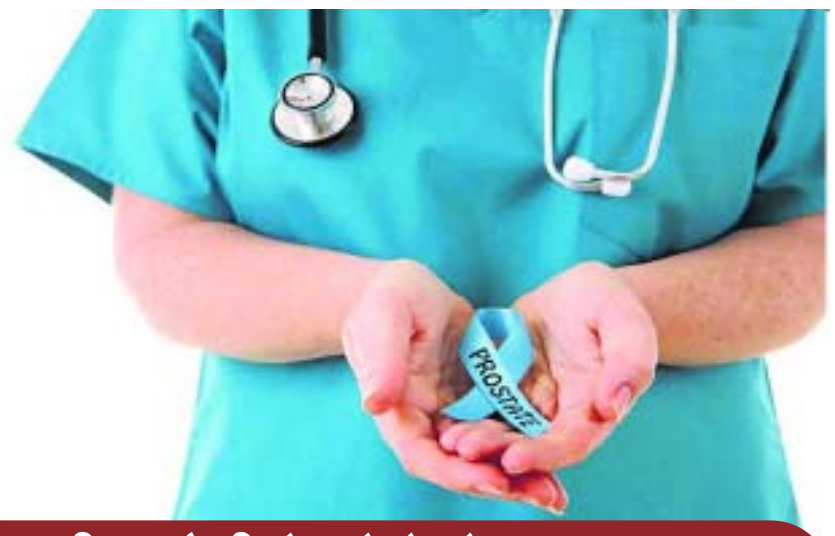

# जीवनशैली के दोषों से उपजा खतरा

आज भारतीयों में जीवन शैली की विसंगतियों और खानपान में बढ़ती तामसिक प्रवृत्तियों के चलते शरीर कई तरह की बीमारियों का घर बनता जा रहा है। इसमें बढ़ती उम्र के साथ यूरिन से जुड़ी बीमारियां प्रमुख होती हैं। इसके साथ ही प्रोस्टेट और इसमें होने वाले कैंसर की आशंका बहुत अधिक बढ़ रही है। समय-समय पर जांच से आम आदमी ऐसे रोगों का पता लगाकर वक्त रहते उपचार करा सकता है।

### बढ़ती उम्र का रोग

दरअसल प्रोस्टेट की समस्या बढ़ती उम्र का रोग है। जो किसी भी पुरुष को पचास साल के बाद हो सकता है। इसमें कभी-कभी कैंसर भी हो जाता है। पुराने अनुभव बताते हैं कि सात में से एक व्यक्ति को प्रोस्टेट का कैंसर होने की संभावना होती है। इसलिए यदि किसी व्यक्ति को रुक-रुक कर पेशाब आता हो या कभी-कभी रुक जाता है। संसर्ग करने में दिक्कत होती है। यूरिन या सीमेन में ब्लड आता हो। कमर में दर्द होता है तो तुरंत इसकी जांच करवाएं। इन रोगों के लक्षण होने पर यूरोलॉजिस्ट से परामर्श करना चाहिए। वैसे हमारी जीवन शैली के दोषों के चलते पचास साल की उम्र में पेशाब की परेशानी होना आम बात है। कुछ लोगों को किडनी में भी दर्द हो सकता है।

### खून आने पर टेस्ट

यदि पेशाब में खून आता हो तो तुरंत यूरोलॉजिस्ट से जांच करवाएं। इसकी जांच में पीएसए टेस्ट महत्वपूर्ण होता है। साथ ही अल्ट्रासाउंड कराने की जरूरत भी होती है। यदि जांच में कुछ गड़बड़ नहीं आती है तो इसका मतलब है कि यूरिन ब्लैडर में कैंसर या प्रोस्टेट नहीं है। यह भी पता चलता है कि कोई रसौली तो नहीं है।

### डाक्टरी सलाह और इलाज

यह जरूरी है कि किसी योग्य यूरोलॉजिस्ट से ही परामर्श लें व इलाज करवाएं। आम तौर पर प्रोस्टेट लिंग के अगले हिस्से में आये अवरोध के कारण होता है। जो यूरिन की आवृत्ति में कमी लाता है। यह जरूरी है कि बाजार से कोई भी दवा बिना किसी यूरोलॉजिस्ट की सलाह के न लें। अब चाहे मूत्राशय तंत्र का कैंसर हो या प्रोस्टेट का कैंसर वो धीरे-धीरे बढ़ता है। ब्लड का आना भी रुक-रुक कर होता है। यदि एक बार रुक गया तो नहीं मान लेना चाहिए कि अब जांच की जरूरत नहीं है। दरअसल, प्रोस्टेट कैंसर बढ़ता रहता है। ऐसे में जांच कराकर ही निश्चिंत हो जाएं कि सारी स्थिति नार्मल है। फिर आप डॉक्टर के परामर्श से ली जाने वाली दवा पर अपनी जिंदगी रोगमुक्त होकर काट सकते हैं।

### दूसरे लक्षण भी

दरअसल, कई तरह के अन्य लक्षण देखकर हम इस रोग का पता लगा सकते हैं। जैसा नर्व का कमजोर होना। यौन व्यवहार में व्यवधान होना। पेशाब के रास्ते में दर्द का होना रोग के लक्षण हो सकते हैं। ये संकेत हैं कि किसी व्यक्ति को प्रोस्टेट के रोग के साथ कैंसर हो सकता है। किडनी का कैंसर या फिर ब्लड कैंसर हो सकता है।

### मर्ज के मूल में जीने का ढंग

सवाल उठाया जाता है कि प्रोस्टेट या उसका कैंसर क्यों होता है। क्या यह हमारी जीवन शैली व खानपान की देन है? निश्चित रूप से हमारा अपने परंपरागत खानपान से दूर होना और शारीरिक सक्रियता कम होना इसकी वजह है। सामान्य सी बात है कि हम यदि रेड मीट खाते हैं या चिकन खाते हैं तो उसका प्रतिकार तो होगा। आप किसी को मारकर सुख पाने की बात सोचेंगे तो दुख ही तो मिलेगा। ये कर्मफल की बात है। यह तार्किक है कि मांसाहारी भोजन कैंसर होने की संभावना को बढ़ाता है। यदि आप नियमित धूम्रपान करते हैं तो यह रोग होने की आशंका होती है। अल्कोहल का सेवन करते हैं तो इस रोग की जद में आने की संभावना बढ़ जाती है। यदि ज्यादा मक्खन या अन्य डेरी प्रोडक्ट लेते हैं तो भी समस्या बढ़ सकती है। हमें पीजा-बर्गर व चाउमिन जैसे खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए, इसमें प्रयोग होने वाले रासायनिक पदार्थ हमारे लिये घातक साबित हो सकते हैं।

### प्रदूषण भी वजह

बाकी हमारे जीवन में घर कर गया प्रदूषण भी रोग बढ़ने का कारण बन सकता है। इसमें वातावरण का पॉल्यूशन भी शामिल है और प्लास्टिक का भी। इनका उपयोग कम से कम करने का प्रयास करें। विडंबना ही है कि हमारे खानपान में रासायनिक उर्वरकों तथा अप्राकृतिक चीजों के उपयोग से लगातार ऐसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

दरअसल, भारतीय जीवन दर्शन में स्वस्थ रहने के जो उपाय बताए गए हैं, हम उन्हें भूल गये हैं। हर व्यक्ति को रोज योग व ध्यान करना चाहिए। कम से कम एक घंटा व्यायाम व सैर करनी चाहिए। भारतीयों के खानपान में विटामिन डी की काफी कमी है। यदि रोज सुबह आधे घंटे धूप में बैठते हैं तो कई रोगों से मुक्त हो जाते हैं। इससे कैंसर होने की आशंका भी कम हो जाती है। दरअसल हमारे स्वस्थ रहने में खानपान व जीवनशैली का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

# नन्ही सी जान की हो खास देखभाल

सर्दियों में शिशुओं की देखभाल करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। कमजोर इम्यूनिटी होने के कारण गिरता तापमान उन्हें ज्यादा प्रभावित करता है। देखरेख में जरा-सी लापरवाही उन्हें बीमार कर सकती है। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखा जाये तो शिशु की सर्दियां आरामदायक और सुरक्षित निकल सकती हैं।

### रोजाना मसाज

अगर शिशु 15-20 दिन का हो चुका है, तो सर्दियों में रोजाना बादाम, ऑलिव या सरसों के गुनगुने तेल से मसाज करनी चाहिए। मसाज शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने व हड्डियों की मजबूती में सहायक है। मसाज दोपहर को तब करें, जब रूम-टैम्परेचर गर्म हो- वो चाहे धूप से हो या हीटर चलाकर मेंटेन किया हो। खिड़की-दरवाजे बंद कर लें। बच्चे के पूरे कपड़े एकसाथ न उतारें। पहले टांगों की मसाज करके कपड़े पहना दें, फिर ऊपरी भाग की मसाज करें। ऐसा करने से उसे ठंड नहीं लगेगी। मसाज के तुरंत बाद उसे नहलाएं या गर्म पानी में भिगोए तौलिये से स्पांज करें।

### कब और कैसे नहलाएं

गर्भनाल गिरने तक नवजात को स्पांज ही करें क्योंकि जरा-सी असावधानी होने पर गर्भनाल टूट सकती है। ठंड ज्यादा हो, तो एक दिन छोड़कर नहलाएं, रोजाना स्पांज कर कपड़े जरूर बदलें। नहलाते समय रूम और बाथरूम-टैम्परेचर गर्म रखें। कमरे में भी टब रखकर नहला सकते हैं। ध्यान रखें कि गुनगुने पानी से 4-5 मिनट में फटाफट नहला दें। बाल सप्ताह में 2 बार धोएं। धोने से पहले गुनगुने ऑयल से मसाज करें जिससे सिर पर डेंड्रफ की परत ने जमे। नहलाने के बाद उसे तौलिये में लपेटें और पोंछ कर सुखा लें। बेबी-लोशन लगाकर शीघ्र कपड़े पहना दें।

### कपड़ों का ध्यान

बच्चे के कपड़े मसाज करने से पहले ही निकाल कर रख लें। नहाने के बाद कपड़े ढूंढने लगें, तो उसे ठंड लग सकती है। यह भी ध्यान रखें कि अपने से एक-दो लेयर ज्यादा पहनाना ही काफी है। वुलन कपडों से पहले कॉटन अंडरगार्मेंट्स और टी-शर्ट पहनाएं। जुराबें जरूर पहनाएं ताकि बच्चा ठंड के असर से महफूज रहे।

### डायपर पहनाएं

सर्दियों में लंगोट या अंडरवियर गीले पहनने से ठंड लगने या इन्फेक्शन की आशंका रहती है। बेहतर है कि बच्चे को डायपर पहनाएं और 3-4 घंटे के बाद जरूर बदलें। अगर बच्चा डायपर में मल-त्याग कर दे, तो उसे तुरंत उतार दें। मल गुनगुने पानी या गीली कॉटन से साफ कर लें। डायपर वाली जगह सूखने पर ही डायपर पहनाएं। पहनाने से पहले स्किन पर पाउडर के बजाय बेबी क्रीम, बादाम या सरसों का तेल जरूर लगाएं। इससे रैशेज से बचाव होता है। जबकि पाउडर उसके अंदर जाकर बाद में रोगों की वजह बन सकता है।

### त्वचा की नमी बनाए रखें

बच्चे की त्वचा पर दिन में 2-3 बार और रात को सोने से पहले बेबी-लोशन जरूर लगाएं। होंठों पर हल्का-सा गर्म देसीघी लगाएं।

### इन्फेक्शन से बचाव

बाहर से आये व्यक्ति के हाथ सेनिटाइज कराकर ही बच्चे के पास आने दें। घर में किसी को सर्दी-जुकाम है तो उससे उचित दूरी बनाकर रखें। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए 6 महीने के बच्चे को नहाने के बाद और रात को सोने से पहले शहद चटाएं।

# जिंदादिली के साथ सफलता का संकल्प



एक लक्ष्य, दो साल। तीन विषय, हज़ारों सवाल। ऊपर से हर रोज़ सुनोगे -यही समय है जान लगा दो, पढ़ाई के अलावा सब कुछ भुला दो। लेकिन प्यारे बच्चे, जान लगा देना पर जान गंवाना नहीं। बेशक डूबकर, मन लगाकर पढ़ो, उछल कूदकर, नाच गाकर पढ़ो। दीवारों पर फ़ार्मूले फेंको, सपनों में बेंज़ीन रिंग देखो, फ़ोकस पर अड़ो, कॉन्वेक्स लेंस हो जाओ, मैप में जगह ढूंढते-ढूंढते अपनी अलग जगह बनाओ, लेकिन एक्साइट होकर ऑर्बिट से ही बाहर नहीं निकल जाना है। यहीं से शुरू होगा असली इम्तिहान जीवन का, प्रोबेबिलिटी और पॉसिबिलिटी में संतुलन बिठाना है। अपने आपको सही व्यक्त करना और ख़राब वक्त में स्थिर बने रहने का मूल मंत्र यहीं से समझोगे। दुनिया शिखर की बात करेगी संघर्ष सिर्फ़ तुम देखोगे।

सफल बनना पर ज़िंदादिल जरूर रहना। वो हाईबर्नेशन से बाहर निकले सूखे, निचुड़े मेंढक सही लग सकते हैं, बच्चे नहीं। जो भी बनना चाहते हो डॉक्टर, इंजीनियर, आईआईटीयन या आईएएस- हंसता चेहरा ही तो अच्छा लगेगा ना। मां-बाप की सिर्फ़ आस ही नहीं, आसमान भी तुम हो। वे रिज़ल्ट वाले दिन स्टेटस में तुम्हारी फ़ोटो लगाकर गर्व से ना भी मुस्कुरा सके तो कोई बात नहीं पर तुम्हें हताश कभी नहीं देख पाएंगे। मांएं अपने जिगर के टुकड़ों की शरारतें और खिले चेहरे देख कई साल छोटी हो जाती हैं।

पिता तुम्हें अपने से ऊंचा निकलते देख फूले नहीं समाते और बड़े बुज़ुर्गों का तो शुभ महूर्त ही तुम से है। उनकी हर बात, हर डांट पर और ज़्यादा पढ़ना। और सबसे ख़ास बात- मन के ग़ुबार भी बाहर लाना, कुछ बुरा लगे तो रोना, चिल्लाना। सब अकेले झेल पाओ इतने बड़े नहीं हुए हो पर जी तोड़ मेहनत न कर सको इतने छोटे भी नहीं। मोटिवेशन सबसे ज़्यादा अपने आप से लेना, हैरान हो जाओगे अपनी क्षमता को देखकर। हिम्मत तुम्हारा सबसे बड़ा हथियार है। वैसे मेहनत तो ज़िंदगी हर किसी से करवा ही लेती है। अभी अपनी मर्ज़ी से समर्पित होकर करोगे तो मनचाही पढ़ाई और काम मिल सकेगा नहीं तो उम्र भर लगे रहने के बाद भी पछतावा कहीं भीतर खटकता रहेगा। बेशक ध्यान भटकाने के लिए विकल्प बहुत हैं लेकिन एक दृढ़ संकल्प बड़ी मजबूती देता है। कभी भी लोगों की सोच और भारी उम्मीदों के गुरुत्वाकर्षण बल से खिंच कर धड़ाम से नीचे मत आकर गिरना बल्कि इसी से संवेग हासिल करना। वो गेम की साइट, खेल के मैदान सब तुम्हारे इंतज़ार में हैं, फिर दौड़ना, भागना, और ये जो कहते रहते हो ना कि अब मैं बच्चा नहीं रहा, बिल्कुल यही साबित करना है...कायर नहीं, मज़बूत और ज़िम्मेदार बन कर सामने आना है और दूसरों के लिए भी मिसाल बनना है। अभी जुट जाओ। कुछ वक्त बेकार गया तो भी कोई बात नहीं। जहां हो वहीं से जोरदार शुरुआत करो। सिर उठाकर देखो, ये सारी दुनिया तुम्हारे लिए है। बड़ी बड़ी कुर्सियां राह ताक रही हैं तुम्हारी।

# बसंत की बयार में नौकरियों की बहार

पिछले पूरे वर्ष नौकरी की तैयारी करने के बाद अगर साल की शुरुआत में ही मनपसंद नौकरी मिल जाये तो फिर सारी मेहनत वसूल हो जाती है। फरवरी यानी बसंत के आरंभ वाला यह माह, अपने साथ एक बार फिर से लाया है सरकारी नौकरियों की नयी बहार। आइये जानें कुछ नये अवसरों के बारे में।

### इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स

भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के अंतर्गत आने वाले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स ने मैकेनिक, टेक्निकल असिस्टेंट, इंजीनियर, जूनियर रिसर्च असिस्टेंट और हॉर्टिकल्चर असिस्टेंट के पदों पर रिक्तियों को भरने के लिए आवेदन मंगाये हैं। कुल 15 वैकेंसी हैं जिनको 20 फरवरी 2023 तक आवेदन के लिए खुला रखा जाएगा। आवेदन, संस्थान की वेबसाइट पर किया जा सकता है। संबंधित क्षेत्र में योग्यता रखनेवाले इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी के लिए भी इस वेबसाइट का संदर्भ ले सकते हैं। उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट और साक्षात्कार के जरिये होगा।

### इंटीग्रल रेल कोच फैक्टरी

इंटीग्रल रेल कोच फैक्टरी, चेन्नई ने क्लर्क एवं टेक्निशियन पदों पर भर्तियां निकाली हैं। विशेष बात है कि इन भर्तियों के लिए कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी, केवल स्पोर्ट्स ट्रायल एवं इंटरव्यू के माध्यम से उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। ये भर्तियां स्पोर्ट्स कोटा के अंतर्गत की जा रही हैं। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, सीनियर क्लर्क, जूनियर क्लर्क एवं टेक्निशियन ग्रेड 3 की भर्ती निकाली गई है। पदों के लिए 7 फरवरी 2023 तक आवेदन जमा किया जा सकता है।

आवेदन के लिए अधिकृत वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड करके उसे निर्धारित प्रारूप में भरकर संस्थान के पते पर भेजना होगा। शैक्षिक योग्यता दसवीं, बारहवीं है।

### ओडिशा स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड

ओडिशा स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड ने एक भर्ती अधिसूचना जारी की है, जिसके अनुसार राज्य में 189 रिक्त पद पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक साइट शह्यह्यष्.द्ब1.द्बठ्ठ पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। भर्ती के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 फरवरी 2023 है जबकि आवेदन प्रक्रिया 27 जनवरी से शुरू हो चुकी है। इन भर्तियों के माध्यम से स्टाफ नर्स सहित कुल 189 पद पर भर्ती होगी। आवेदन करने वाले उम्मीदवार को मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं के साथ संबंधित विषय में डिप्लोमा किया हुआ होना चाहिए। बोर्ड की वेबसाइट पर अधिक जानकारी के लिए विजिट किया जा सकता है। आयुसीमा 21 से 38 साल के बीच है जिसमें आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार आयु सीमा में छूट मिलेगी। इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने जीएम, मैनेजर, इलेक्ट्रिकल, ओएचई समेत विभिन्न पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। वॉकइन इंटरव्यू जारी हैं, संबंधित फील्ड्स में योग्यता रखनेवाले इच्छुक अभ्यर्थी 6 फरवरी तक वॉकइन इंटरव्यू के लिए उपस्थित हो सकते हैं। आवेदन करने से पहले रिक्त पदों के बारे में सभी जानकारियां संस्थान की वेबसाइट द्बह्मष्शठ्ठ.शह्मद्द पर जाकर अवश्य देख लें। आयुसीमा 30-50 वर्ष है। शैक्षिक योग्यताएं किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 60त्न अंकों से ग्रेजुएशन समेत पदों के अनुसार भिन्न-भिन्न हैं। वेतनमान पदों के अनुसार 25000-80000 रुपये तक का है।

# बरकरार रहे बगिया में बहार

रंग-बिरंगे हरे-भरे इंडोर प्लांट्स आपकी बगिया और घर की शोभा बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इनमें स्नेक प्लांट, मनी प्लांट, कोलियस, क्रोटन, पाम, फिलोडेंड्रोन, जेड प्लांट, फाइकस, लिलि, फर्न जैसे पौधे आते हैं। लेकिन सर्दियों में ज्यादातर पौधे डोरमेंसी या रेस्ट पीरियड में चले जाते हैं। कम तापमान, सर्द हवा, कोहरा आदि का असर पौधों पर भी पड़ता है। इन्हें खराब होने से बचाने को सर्दियों में विशेष संभाल जरूरी है।

**गुनगुनी धूप**-जहां तक संभव हो इंडोर प्लांट्स को धूप में रखें ताकि इन्हें धूप से एनर्जी मिलती रहे। लंबे समय तक अंधेरे में रहने से पौधे की जड़ें गलने लगती हैं। धूप से इनमें फोटो सिंथेसिस प्रक्रिया भी होगी और इनके रंग फीके या बदरंग होने से बचेंगे। अगर धूप न हो तो पौधों को घर के अंदर तेज रोशनी के नीचे रखना फायदेमंद है।

**बचाव के लिए शेल्टर**-सर्दी और ठंडी हवा ज्यादा हो तो बाहर रखे इंडोर प्लांट्स को चादर, ग्रीन नेट या पॉलिथीन शीट का शेल्टर बनाकर कवर कर सकते हैं। इससे ओस और मिट्टी से भी बचाव होगा क्योंकि इनसे पोर्स बंद होने पर पत्ते जलने लगते हैं।

**नियंत्रित पानी**-सर्दियों में पौधों की मिट्टी में काफी दिन तक नमी बनी रहती है इसलिए अपने इंडोर पौधों में पानी बहुत कम दें। ज्यादा पानी देने से जड़ें गलने लगती हैं, फंगस लगने का डर रहता है। पानी देने से पहले चैक कर लें कि पौधे की मिट्टी ऊपर से 1-2 इंच सूखी हो।

**नियमित गुड़ाई**-सप्ताह में एक दिन पौधे की मिट्टी की 1-2 इंच तक गुड़ाई करें। गुड़ाई से पौधों में एयर सर्कुलेशन बढ़ता है जिससे जड़ें मजबूत होती हैं।

**ह्यूमिडिटी लेवल**-कम ह्यूमिडिटी की वजह से फिलोडेंड्रोन जैसे पौधों के पत्ते खराब होने लगते हैं। इन्हें बचाने के लिए घर में ह्यूमिडिटी फायर लगाना चाहिए या फिर गमलों को इकट्ठे ग्रुप में रख दें।

**मल्चिंग और रिपोटिंग**-जड़ों को सर्दी से बचाने के लिए गमले की मिट्टी के ऊपर मल्चिंग करें। इसके लिए छोटे-छोटे स्टोन, नारियल रेशों, नीम के पत्तों की लेयर बिछा सकते हैं। वहीं सर्दी में डोरमेंसी में चले जाने के कारण कई इंडोर प्लांट्स के पत्ते झड़ने लगते हैं। जैसे क्रोटन में कई बार तो सिर्फ उसकी डंडी रह जाती है। पौधे को खराब होता सोचकर उसकी रिपोटिंग (गमला बदलना) या उसकी हार्ड प्रूनिंग (ज्यादा कटिंग) नहीं करनी चाहिए।

**बल्ब सहेजना**-कैलेडियम जैसे रंग-बिरंगे पत्तों वाले कई पौधों के पत्ते सर्दियों में खत्म हो जाते हैं। लेकिन उसका बल्ब मिट्टी में बना रहता है जिसे सहेजने की जरूरत है।

# भविष्य की सीख स्नेह की छांव में



देश में कुछ ही दिनों में कई ऐसे केस हुए। राजस्थान के टोंक में बच्चा लंच टाइम में बात कर रहा था। नाराज टीचर ने उसकी ऐसी पिटाई की कि रीढ़ में फ्रेक्चर हो गया। हिमाचल प्रदेश के एक स्कूल में नल तोड़ने के शक में दो छात्रों की निर्ममता से पिटाई की गई। इसी तरह कहीं ड्रेस न पहनने पर पिटाई की गई। चेन्नई के एक स्कूल में तो एक बच्चे ने जान ही दे दी क्योंकि टीचर ने उसे स्कूल में पीटा था।

### भविष्य की सीख स्नेह की छांव में

अध्यापक विद्यार्थियों को जीवन के हर मोड़ पर आगे बढ़ते रहने का हुनर सिखाते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में स्कूलों में बच्चों को मारने-पीटने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में शिक्षकों की छवि को भी नुकसान पहुंचता है। देश में सख्त कानून बन जाने के बाद भी प्रतिदिन ऐसी घटनाएं होना चिंता की बात है।

### छोटी बात पर बड़ी पिटाई

हाल ही में दिल्ली के एक स्कूल में टीचर ने गुस्से में आकर एक छात्रा को कैंची से मारा व फिर फर्स्ट फ्लोर से नीचे गिरा दिया। छात्रा को अस्पताल में भर्ती किया गया। देश में कुछ ही दिनों में कई ऐसे केस हुए। राजस्थान के टोंक में बच्चा लंच टाइम में बात कर रहा था। नाराज टीचर ने उसकी ऐसी पिटाई की कि रीढ़ में फ्रेक्चर हो गया। हिमाचल प्रदेश के एक स्कूल में नल तोड़ने के शक में दो छात्रों की निर्ममता से पिटाई की गई। इसी तरह कहीं ड्रेस न पहनने पर पिटाई की गई। चेन्नई के एक स्कूल में तो एक बच्चे ने जान ही दे दी क्योंकि टीचर ने उसे स्कूल में पीटा था।

### कैसी-कैसी सजाएं

विद्यालय में बच्चों को दंडित करने के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं जिनमें होमवर्क न करने पर सजा देना, स्केल से पीटना, बाल खींचकर मारना, सफाई न करने पर मारना, छुट्टी मांगने पर अंगुलियों के बीच पेंसिल फंसाकर दबाना, मॉनीटर की शिकायत पर मारना, आपस में बातचीत करने पर पिटाई करना। निर्मम पिटाई चाहे स्कूल में हो या घर में दोनों ही गलत हैं।

### अभिभावकों के दंड

पोद्दार शैक्षणिक संस्थान मुंबई ने एक सर्वेक्षण किया, जिसमें बात सामने आई कि करीब 76 फीसदी अभिभावक बच्चों को अनुशासन सिखाने को शारीरिक दंड देते हैं। इसी तरह 67 फीसदी अभिभावक बात मनवाने के लिए बच्चों को बतौर घूस उपहार देते हैं। कई अभिभावकों ने माना कि वे बच्चों को वश में करने को भावनात्मक रूप से धमकाते हैं। वहीं कभी दोस्त के सामने अनादर तो कभी बोर्डिंग में डालने की धमकी।

### बालमन पर असर

अनुशासन में रखने को अपनाए जाने वाले इन तरीकों का बच्चों की मनोदशा पर क्या असर पड़ता है यह बात जानना बहुत जरूरी है। शोधकर्ताओं के मुताबिक जो बच्चे स्कूलों में पिटाई के शिकार होते हैं उन पर दीर्घकालिक असर पड़ते हैं। ऐसे बच्चे बड़े होने पर शारीरिक-मानसिक बीमारी के शिकार हो जाते हैं। बात साझा करने से घबराने लगते हैं। ऐसे बच्चों का स्वभाव विद्रोही होने की गुंजाइश रहती है। कुछ आहत होकर बोलना बंद कर देते हैं। इसके विपरीत कुछ बच्चे यह भी सीख जाते हैं कि हिंसा किसी भी गलती की एक स्वीकार्य प्रतिक्रिया है और इस बात पर अमल करना शुरू कर देते हैं। वे स्कूल में इसे आजमाते हैं। दूसरे बच्चों को परेशान या बुली करते हैं। कहीं न कहीं ऐसे बच्चे शक्तिशाली दिखना चाहते हैं या फिर दब्बू बन जाते हैं।

### संवादहीनता

निर्ममता से आहत बच्चे अपने माता-पिता से संवाद नहीं करते। अपनी भावनाएं-गतिविधि छिपाने लगते हैं। साथियों को अधिक अहमियत देने लगते हैं। ग्यारहवीं कक्षा तक आते-आते ये बच्चे जोखिम मोल लेने लगते हैं। प्रेम या आपराधिक गतिविधि में शामिल होने की संभावना बढ़ जाती है।

### अपनी-अपनी राय

इस बारे में हुए एक सर्वे में शिक्षकों की राय जानी गई तो कई शिक्षकों ने पिटाई एवं सजा देने को जरूरी बताया। उनका तर्क था कि वे बच्चों के दुश्मन नहीं हैं। उनका भविष्य बनेगा तो लाभ बच्चों को ही होगा। जबकि, मनोवैज्ञानिकों-काउंसलरों का कहना है कि बच्चे के होमवर्क न करने पर उसकी समस्या को समझें। यदि झूठ पकड़ा जाये तो उसके घर की स्थितियों को समझकर उसे मानसिक सहयोग प्रदान करें। सजा की बजाय काउंसलिंग बेहतर तरीका है। समस्याग्रस्त बच्चे के विषय में अभिभावक शिक्षकों से बातचीत करके ही निर्णय लें।

अमेरिकी पत्रिका 'चाइल्ड डेवलपमेंट' में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि माता-पिता परवरिश के दौरान बच्चे के प्रति या तो बहुत उदार या बहुत सख्त हो जाते हैं। लेकिन ये दोनों ही तरीके सही नहीं। माता-पिता बच्चों को प्रोत्साहित करने वाला माहौल दें।

# महाशिवरात्रि
# कल्याणकारी हैं भगवान शिव

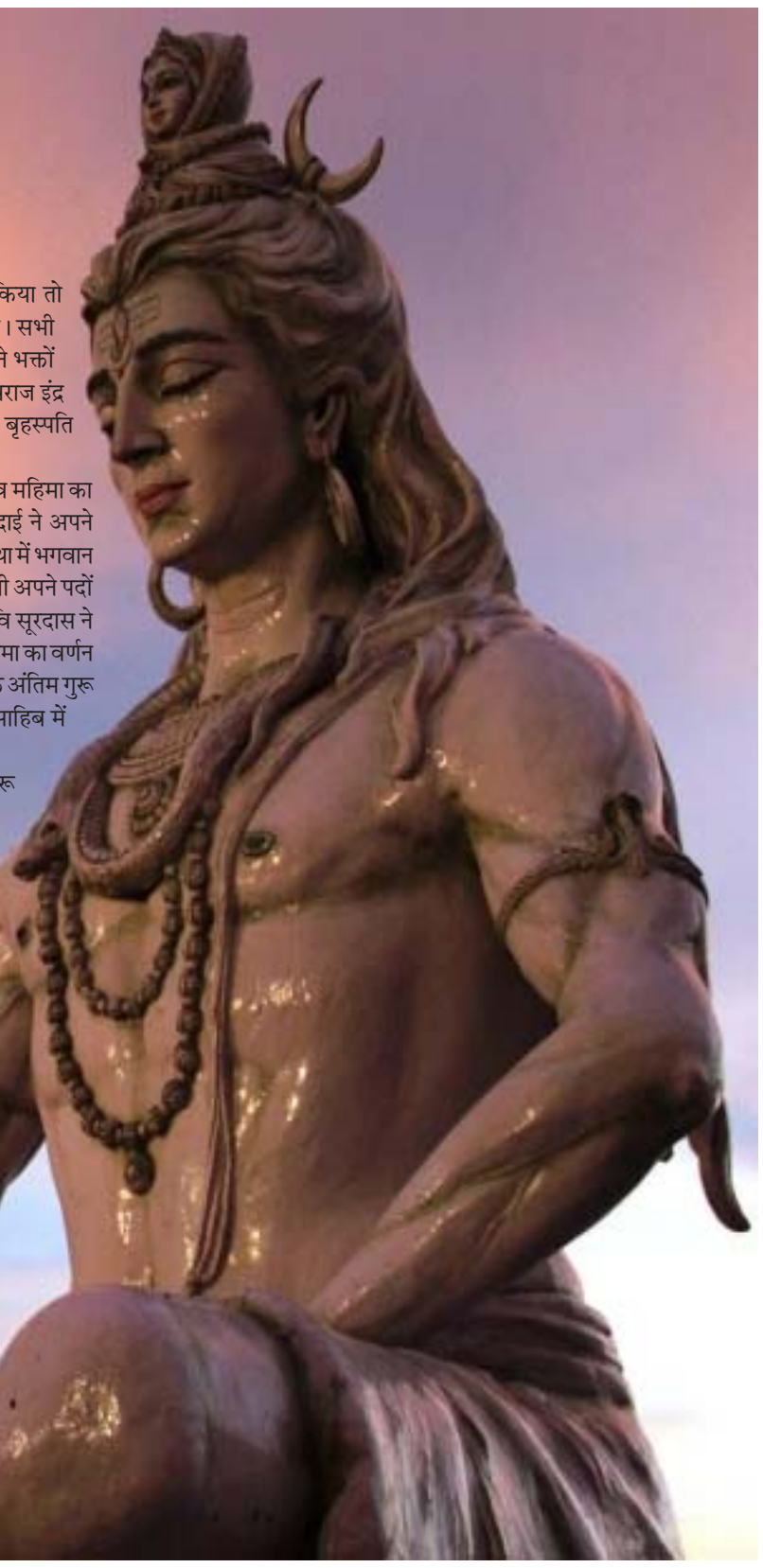

विद्याओं, शास्त्रों, कलाओं और ज्ञान-विज्ञान के प्रवर्तक आशुतोष भगवान शिव की आराधना के बिना साधक अभीष्ट लाभ नहीं प्राप्त कर सकता। शिवोपासना के द्वारा ही परम तत्व अथवा शिवत्व की प्राप्ति संभव है। भगवान शिव अपने भक्त की आराधना से भी प्रसन्न होकर उसका तत्क्षण परम कल्याणकर देते हैं इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को शिव पूजन और व्रत करना चाहिये।

परात्पर सच्चिदानंद परमेश्वर शिव एक है। वे विश्वातीत भी हैं और विश्वमय भी। वे गुणातीत और गुणमय भी हैं। भगवान शिव में ही विश्व का विकास संभव है। भगवान शिव शुद्ध, सनातन, विज्ञानानंद घन, परब्रह्म हैं उनकी आराधना परम लाभ के लिए ही या उनका पुनीत प्रेम प्राप्त करने के लिए ही करनी चाहिये। सांसारिक हानि- लाभ प्रारब्ध होते हैं इनके लिए चिंता करने की बात नहीं। शिव जी की शरण लेने से कर्म शुभ और निष्काम हो जायेंगे। अत- किसी भी प्रकार के कर्मों की पूर्ति के लिये न तो चिंता करनी चाहिए और नहीं भगवान से उनके नाशार्थ प्रार्थना ही करनी चाहिये। 卐ॐ नमः शिवाय卐 या फिर अपनी जिह्वा पर शिव मंत्र का स्मरण करने से व्यक्ति सांसारिक चिंताओं से मुक्त हो सकता है। अतः परम कल्याणकारी सृष्टिकर्ता व पूरे विश्व के नीति नियंता भगवान शिव की आराधना तन, मन, धन से एकाग्रचित होकर करनी चाहिये।

शिवरात्रि व्रत व भगवान शिव की महिमा का वर्णन शिव पुराण में मिलता है। भगवान शिव की महिमा वेदों में भी कही गयी है। उपनिषदों में भी शिव जी की महिमा का वर्णन मिलता है। रूद्र हृदय, दक्षिणामूर्ति, नील रूद्र उपनिषद आदि उपनिषदों में शिवजी की महिमा का वर्णन मिलता है।

महाशिवरात्रि का पावन पर्व फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है। ईशान संहिता के अनुसार ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव होने से यह पर्व महाशिवरात्रि के नाम से लोकप्रिय हुआ। यह शिव और पार्वती के विवाह के रूप में हर घर में मनाया जाता है। इस पवित्र दिन पूरा भारत शिव भक्ति में तल्लीन हो जाता है और भगवान शिव के चरणों में अपने आप को अर्पित कर पुण्य अर्जित करना चाहता है।

महाशिवरात्रि का पर्व उत्तर में काश्मीर लेकर दक्षिण के आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के सभी मंदिरों में भव्य रूप से मनाया जाता है। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर सहित देश के विभिन्न प्रान्तों में स्थित समस्त द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शिव भक्तों की महा भीड़ उमड़ती है। भारत के गाँव गाँव और गली गली में भगवान शिव के छोटे-बड़े मंदिर विद्यमान हैं और ऐसा ही मनोरम दृष्य प्रत्येक शिवाले का रहता है। भारत के पड़ोसी देशों बांग्लादेश और नेपाल के शिव मंदिरों में भी यह पर्व मनाया जाता है। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में यह पर्व व्यापक रूप में मनाया जाता है तथा भक्तों की अपार भीड़ उमड़ती है।

शिवरात्रि व्रत व भगवान शिव की महिमा का वर्णन शिव पुराण में मिलता है। भगवान शिव की महिमा वेदों में भी कही गयी है। उपनिषदों में भी शिव जी की महिमा का वर्णन मिलता है। रूद्र हृदय, दक्षिणामूर्ति, नील रूद्र उपनिषद आदि उपनिषदों में शिवजी की महिमा का वर्णन मिलता है। भगवान शिव ने अपने श्रीमुख से शिवरात्रि व्रत की महिमा का वर्णन स्वयं ब्रह्मा, विष्णु और पार्वती जी को किया है। निष्ठा तथा सकाम भाव से सभी व्यक्तियों के लिए यह महान व्रत परम हितकारी माना गया है।

महादेव जी थोड़ा सा जल और बेलपत्र पाकर भी संतुष्ट हो जाते हैं। वे सभी के कल्याण स्वरूप हैं। इसलिए सभी को शिवजी की पूजा करनी चाहिये। शिव जी सभी को सौभाग्य प्रदान करने वाले हैं भगवान शिव कार्य और करण से परे हैं। ये निर्गुण, निराकार,निर्बाध, निर्विकल्प निरीह, निरंजन, निष्काम, निराधार तथा सदा नित्यमुक्त हैं। भगवान शिव पंचाक्षर और षडाक्षर मंत्र हैं तथा केवल ऊँ नमः शिवाय कहने मात्र से ही वे प्रसन्न हो जाते हैं। भगवान शिव सर्वोपरि देव हैं। सम्पूर्ण सृष्टि के स्वामी हैं। सम्पूर्ण विश्व शिवकृपा से ही पाश मुक्त हो सकता है। भगवान श्री शिव की उपासना के बिना साधक अभीष्ट लाभ नहीं प्राप्त कर सकता। शिवोपासना के द्वारा ही परम तत्व शिवत्व की प्राप्ति संभव है।

जब से सृष्टि की रचना हुई हैं तब से भगवान शिव की आराधना व उनकी महिमा की गाथाओं से भण्डार भरे पड़े हैं। स्वयं भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण ने भी अपने कार्यों की बाधारहित सिद्धि के लिये उनकी साधना की और शिव जी के शरणागत हुए। भगवान श्रीराम ने लंका विजय के पूर्व भगवान शिव की आराधना की। भगवान शिव के भक्तों व उनकी आराधना की कहानियां हमारे पुराणों व धर्मग्रथों में भरी पड़ी है। जो भी व्यक्ति चाहे वह कैसा भी हो या फिर किसी भी दृष्टि से उसने भगवान शिव की आराधना की हो भगवान शिव ने आराधना से प्रसन्न होकर सभी को आशीर्वाद दिया। यदि किसी ने उनके आशीर्वाद का गलत उपयोग किया तो उन्होनें उसका उसी रूप में निराकरण भी किया। सभी कहानियों का सार यही है कि भगवान शिव अपने भक्तों की पुकार अवश्य सुनते हैं। भगवान शिव ने देवराज इंद्र पर कृपा दृष्टि डाली तो उन्होनें अग्निदेव, देवगुरू, बृहस्पति और मार्कण्डेय पर भी कृपा दृष्टि डाली।

हिंदी कवियों ने भी भगवान शिव की स्तुति व महिमा का गुणगान किया है। हिंदी के आदि कवि चंदबरदाई ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ पृथ्वीराज रासो के प्रथम खंड आदि कथा में भगवान शिव की वंदना की है। महान कवि विद्यापति ने भी अपने पदों में भगवान शिव का ही ध्यान रखा है। महान कवि सूरदास ने भी शिवभक्ति प्रकट की है। भगवान शिव की महिमा का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने भी किया है। सिख धर्म के अंतिम गुरू गोविंद सिंह महाराज द्वारा लिखित दशम ग्रन्थ साहिब में भी शिवोपासना का विशेष वर्णन मिलता है।

भगवान शिव परम कल्याणकारी है। जगदगुरू हैं। वे सर्वोपरि तथा सम्पूर्ण सृष्टि के स्वामी हैं। उन्होंने इस समस्त संसार व सांसारिक घटनाओं का निर्माण किया है। सांसारिक विषय भोगों से मनुष्य बंधा है तथा शिवकृपा से ही वह पाप मुक्त हो सकता है। भगवान शिव जब प्रसन्न होते हैं तो साधक को अपनी दिव्य शक्ति प्रदान करते हैं जिससे अविद्या के अंधकार का नाश हो जाता है और साधक को अपने इष्ट की प्राप्ति होती है। इसका तात्पर्य यह है कि जब तक मनुष्य शिव जी को प्रसन्न करके उनकी कृपा का पात्र नहीं बन जाता तब तक उसे ईश्वरीय साक्षात्कार नहीं हो सकता।

अतः कहा जा सकता है कि ज्ञान और भक्ति इन तीनों के परमार्थ तथा सभी

## शिव-शक्ति मिलन व्रत-उपवास का महात्म्य

साल में कुल 12 शिवरात्रि आती हैं, लेकिन फाल्गुन मास की महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान शिव और शक्ति का मिलन हुआ था। शिवरात्रि का अर्थ 'वह रात्रि जिसका शिवतत्त्व से घनिष्ठ संबंध है।' भगवान शिव की अतिप्रिय रात्रि को शिवरात्रि कहा जाता है। शिव पुराण के ईशान संहिता में बताया गया है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में आदिदेव भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले लिंग रूप में प्रकट हुए।

शिवपुराण में उल्लेखित एक कथा के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। भोलेनाथ ने वैराग्य जीवन त्याग कर गृहस्थ जीवन अपनाया था। इस दिन विधिवत? आदिदेव महादेव की पूजा-अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं व कष्टों का निवारण होता है।

शिवरात्रि को लेकर बहुत सारी कथाएं प्रचलित हैं। विवरण मिलता है कि भगवती पार्वती ने शिव को पति के रूप में पाने के लिए घनघोर तपस्या की थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसके फलस्वरूप फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। यही कारण है कि महाशिवरात्रि को अत्यन्त महत्वपूर्ण और पवित्र माना जाता है।

एक बार मां पार्वती ने शिव से पूछा कि कौन-सा व्रत उनको सर्वोत्तम भक्ति व पुण्य प्रदान कर सकता है?

तब शिव ने स्वयं इस शुभ दिन के विषय में बताया था कि फाल्गुन कृष्ण पक्ष के चतुर्दशी की रात्रि को जो उपवास करता है, वह मुझे प्रसन्न कर लेता है। मैं अभिषेक, वस्त्र, धूप, अर्घ्य तथा पुष्प आदि समर्पण से उतना प्रसन्न नहीं होता, जितना कि व्रत-उपवास से। इसी दिन, भगवान विष्णु व ब्रह्मा के समक्ष सबसे पहले शिव का अत्यंत प्रकाशवान आकार प्रकट हुआ था। ईशान संहिता के अनुसार ब्रह्मा व विष्णु को अपने अच्छे कर्मों का अभिमान हो गया। इससे दोनों में संघर्ष छिड़ गया। विष्णु और ब्रह्मा ने इस प्रकाश स्तम्भ के ओर-छोर को जानने का निश्चय किया। श्रीविष्णु नीचे पाताल की ओर इसे जानने गए और श्रीब्रह्मा अपने हंस वाहन पर बैठ ऊपर गए वर्षों यात्रा के बाद भी वे इसका आरंभ या अंत न जान सके। वे वापस आए, अब तक उनका क्रोध भी ग़लत हो चुका था तथा उन्हें भौतिक आकार की सीमाओं का ज्ञान मिल गया था।

जब उन्होंने अपने अहम? को समर्पित कर दिया, तब श्रीशिव प्रकट हुए तथा सभी विषय-वस्तुओं को पुनर्स्थापित किया। शिव का यह प्राकट्य फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि को ही हुआ था। इसलिए इस रात्रि को महाशिवरात्रि कहते हैं। इसी दिन भगवान शिव और आदि शक्ति का विवाह हुआ था। भगवान शिव का ताण्डव और भगवती का लास्यनृत्य दोनों के समन्वय से ही सृष्टि में संतुलन बना हुआ है।

**उपवास विधान**

रात्रि में उपवास करें। दिन में केवल फल लें और दूध पियें। भगवान शिव की विस्तृत पूजा करें, रुद्राभिषेक करें तथा शिव के मंत्र से यथा शक्ति पाठ करें और शिव महिमा से युक्त भजन गाएं। 'ऊं नमः शिवाय' मन्त्र का उच्चारण जितनी बार हो सके करें तथा मात्र शिवमूर्ति और भगवान शिव की लीलाओं का चिंतन करें। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की महादशा यानी आधी रात के वक़्त भगवान शिव लिंग रूप में प्रकट हुए थे, ऐसा ईशान संहिता में कहा गया है। इसीलिए सामान्यजनों द्वारा पूजनीय रूप में भगवान शिव के प्राकट्य समय यानी आधी रात में जब चौदस हो उसी दिन यह व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और पूजा-अर्चना करने वाले भक्तों पर महादेव जल्दी प्रसन्न होते हैं और उन्हें उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। जिन लोगों पर महादेव की कृपा होती है, उनके जीवन में हमेशा सुख समृद्धि बनी रहती है।

## भगवान शिव के मंदिर हैं बेहद खास दर्शन करने से पूरी हो जाती हैं सभी मनोकामनाए

कल्याण के देवता माने जाने वाले भगवान शंकर के कई धाम हैं। जहां पर दर्शन करने से सभी तरह के दुख और पूजा-अर्चना करने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस आर्टिकल में ऐसे ही सिद्ध और पावन शिव मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं।देवों के देव महादेव को सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले भगवान माना जाता है। कहते हैं कि शिव जी अपने भक्तों को थोड़े कष्ट में ही देखकर पसीज जाते हैं। अगर कोई भक्त सोमवार को सच्चे मन और पूरे समर्पण से उनकी आराधना करता है तो वह अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर कर देते हैं। धार्मिक मान्यताओं की मानें तो भगवान शंकर का न आदि है और न अंत है। भगवान भोले के 12 ज्योतिर्लिंगों के साथ ही कई प्रसिद्ध मंदिर भी हैं।

### 1. केदारनाथ धाम

हिमालय की गोद में बसा भगवान भोलेनाथ का धाम केदारनाथ मंदिर सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बसा है। यह देश के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। यह मंदिर उत्तराखंड का सबसे विशाल मंदिर है। इसका निर्माण पत्थरों के शिलाखंडों को जोड़कर किया गया है। केदारनाथ धाम की स्थापना पांडव वंश के जनमेजय द्वारा की गई थी। मान्यता है कि भगवान विष्णु के अवतार नर और नारायण ऋषि हिमालय के केदार श्रृंग पर तपस्या करते थे। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने ज्योतिर्लिंग के रूप में सदा वास करने का वरदान दिया था। इस मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों को कठिन यात्रा तय करनी पड़ती है।

### 2. अमरनाथ धाम

अमरनाथ की गुफा बाबा बर्फानी के नाम से भी प्रसिद्ध है। हजारों वर्षों से बाबा अमरनाथ की तीर्थयात्रा होती रही है। यह स्थल भगवान शिवजी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। काफी कठिन रास्ता होने के बाद भी हर साल हजारों भक्त यहां दर्शन करने जाते हैं। कहते हैं कि कि भगवान शिव ने इसी स्थान पर माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था। जिस स्थान पर शिव शंकर ने अमरकथा सुनाई थी, वह स्थान जनशून्य था। मान्यता है कि पवित्र गुफा में विराजमान हिमलिंग का आकार चंद्र के साथ बढ़ता-घटता रहता है।

### 3. महाकालेश्वर मंदिर

महाकालेश्वर का मंदिर उज्जैन में स्थित है। यह भी बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। बता दें कि उज्जैन स्थित महाकालेश्वर के दर्शन किए बिना 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पूर्ण नहीं मानी जाती है। महाकाल को उज्जैन का विशिष्ट पीठासीन देवता माना जाता था। 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर का शिवलिंग स्वयंभू यानि कि अपने आप से प्रकट हुआ माना जाता है। बता जें कि महाकालेश्वर मंदिर में लिंग स्वरुप भोलेनाथ की प्रतिमा दक्षिणामुखी है। पहले यहां पर जलती हुई चिता की राख लाकर भगवान शिव की पूजा की जाती थी।

### 4. काशी विश्वनाथ मंदिर

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग भगवान शिव की नगरी काशी में है। जिसे बाबा विश्वनाथ के नाम से जानते हैं। काशी को वाराणसी और बनारस के नाम से भी जानते हैं। कहा जाता है कि गंगा किनारे बसी यह नगरी भगवान शिव के त्रिशूल के नोक पर बसी है। भगवान शंकर को यह नगरी काफी पसंद है। इसलिए उन्होंने अपना नाम काशीनाथ रखा था। हिंदू धर्म में काशी विश्वनाथ मंदिर का एक विशिष?ट स?थान है। ऐसा माना जाता है कि एक बार इस मंदिर के दर्शन करने और गंगा में स?नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मंदिर को विश्वेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

### 5. रामेश्वरम मंदिर

रामेश्वरम मंदिर तमिलनाडू के रामनाथपुर में स्थित है। कहा जाता है कि रामेश्वरम मंदिर के शिवलिंग की स्थापना स्वयं श्री राम द्वारा की गई थी। मंदिर की दीवारों पर छोटी-छोटी बनी प्रतिमा और दीवारों में सुंदर नक्काशी की गई है। ब्राह्मण रूपी रावण को मारने के बाद भगवान श्रीराम ने दोष से छुटकारा पाने के लिए इसी स्थान पर शवलिंग स्थापित कर पूजा-अर्चना की थी। यह मंदिर हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी से घिरा हुआ है। बता दें कि रामेश्वरम मंदिर पूरे विश्व में काफी ज्यादा प्रसिद्ध है।

## भगवान राम के बैकुंठधाम प्रस्थान का साक्षी गुप्तार घाट

**श्रद्धालुओं के एक वर्ग का विश्वास है कि उन्होंने इसी घाट से सरयू में उतरकर जलसमाधि ले ली थी, जबकि दूसरे वर्गों के अनुसार उन्होंने अलौकिक रूप से गुप्त होकर स्वर्गारोहण किया था। जानकार बताते हैं कि उसके बाद से ही इस घाट को गुप्तारघाट कहा जाने लगा। इससे पहले उसका नाम गो-प्रतारणघाट था। यानी वह घाट जहां से गायें सरयू को पार करती थीं।**

अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भव्य मन्दिर का निर्माण जोरों पर है और आगामी जनवरी में उसे श्रद्धालुओं के लिए खोला जाये तो बहुत संभव है कि वहां जनसमुद्र उमड़ पड़े। इसके मद्देनजर इस धर्मनगरी के कई दूसरे आस्था-केन्द्रों को भी सजाया-संवारा जा रहा है ताकि वे भी आने वाले श्रद्धालुओं को लुभायें। कहा जा रहा है कि इससे होगा यह कि वे एक राममन्दिर के आकर्षण में ही बंधे नहीं रहेंगे, न ही देर तक उसी के इर्दगिर्द जमा रहकर अपने व अयोध्यावासियों दोनों के लिए दुश्वारियों का कारण बनेंगे। दर्शन-पूजन के बाद वे दूसरे आस्था-केन्द्रों की ओर चले जायेंगे तो व्यवस्था बनाये रखने में सहूलियत होगी।इस लिहाज से प्रदेश सरकार का सबसे ज्यादा जोर गुप्तारघाट के नवीनीकरण व सुन्दरीकरण पर है। गौरतलब है कि नये राममन्दिर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर सरयू के किनारे स्थित गुप्तारघाट वह पौराणिक स्थल है, जिसके बारे में विश्वास है कि भगवान राम ने अपनी लम्बी नरलीला की समाप्ति के बाद वहीं से बैकुंठधाम कहें, साकेतधाम, परमधाम या दिव्यधाम को प्रस्थान किया था। श्रद्धालुओं के एक वर्ग का विश्वास है कि उन्होंने इसी घाट से सरयू में उतरकर जलसमाधि ले ली थी, जबकि दूसरे वर्गों के अनुसार उन्होंने अलौकिक रूप से गुप्त होकर स्वर्गारोहण किया था। जानकार बताते हैं कि उसके बाद से ही इस घाट को गुप्तारघाट कहा जाने लगा। इससे पहले उसका नाम गो-प्रतारणघाट था। यानी वह

घाट जहां से गायें सरयू को पार करती थीं।

जो भी हो, भगवान राम से जुड़ा यह स्थल शताब्दियों से श्रद्धालुओं की आस्था को तुष्ट करता आया है। वे मानते हैं कि यहां आकर दर्शन-पूजन व स्नान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति तो होती ही है, मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं। मान्यता है कि भगवान राम इस घाट पर आये तो उनके साथ और तो और अयोध्या के कीट-पतंगें तक उनके दिव्य धाम चले गये थे, जिससे अयोध्या सुनसान-सी गई थी। बाद में उनके पुत्र कुश ने उसको और इस घाट को फिर से आबाद किया। कई लोग महाराज विक्रमादित्य को भी इसका श्रेय देते हैं।

फिलहाल, इस घाट पर कई छोटे-छोटे मन्दिर स्थित हैं, जिनमें रामजानकी मंदिर, चरण पादुका मंदिर, नरसिंह मंदिर और हनुमान मंदिर प्रमुख हैं। यहां के हनुमान मन्दिर की एक विशेषता यह है कि जो हनुमान अयोध्या में राम के सेवक और भक्त हैं, वे इस मन्दिर में राजा के रूप में विराजमान हैं। जो श्रद्धालु इस घाट पर आते हैं, वे सबसे पहले हनुमान का दर्शन पूजन करते हैं, फिर भगवान राम के दर्शन को निकलते हैं। प्रायः सारी ऋतुओं में जारी रहने वाली प्रकृति की अठखेलियां इस घाट व उसके मंदिरों के वातावरण को मोहक बनाती रहती हैं। उन्नीसवीं सदी तक यह घाट खासा जीर्ण-शीर्ण हो चला था, जिसके बाद राजा दर्शन सिंह ने उसका नवनिर्माण करवाया था। बाद में उसके पास ही मिलिटरी मन्दिर के निर्माण, साथ ही कम्पनी गार्डन व राजकीय उद्यान विकसित होने से इसका धर्मस्थल का स्वरूप पर्यटन स्थल में भी बदल गया। श्रद्धालुओं के साथ पर्यटक भी रेत के बड़े-बड़े मैदानों के बीच फैली सरयू की अथाह जलराशि में नौकाविहार करने उसकी ओर आने लगे। अब उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 39 करोड़ रुपयों की लागत से किये जा रहे सुन्दरीकरण व नवीनीकरण के तहत इस घाट को अयोध्या के दूसरे वैभवशाली घाटों से जोड़ा जा रहा है। हां, दीपोत्सव के कारण चर्चित राम की पैड़ी व नयाघाट से भी। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो श्रद्धालु, पर्यटक व तीर्थयात्री अब जल्दी ही गुप्तारघाट से नयाघाट तक लग्जरी क्रूज सेवा की मार्फत सरयू की सैर भी कर सकेंगे।

दूसरी ओर, घाट को सर्वथा नया लुक देने के लिए उसकी सीढ़ियों पर मनोहर चित्रकारी तो की ही जा रही है, सरयू नदी पर गुप्तारघाट से नयाघाट तक नया तटबंध बनाकर उस पर छह मीटर चौड़ी सड़क भी बनाई जा रही है।

# दिल्ली में फिर हुआ Shraddha Murder जैसा कांड, हत्या के बाद ढाबे के फ्रिज में छिपाया शव

नई दिल्ली। दिल्ली में श्रद्धा मर्डर कांड की यादें एक बार फिर से ताजा हो गई है। रोंगटे खड़े कर देने वाले इस हत्या कांड की तरह ही मामला सामने आया है। पुलिस को एक ढाबे के फ्रिज से लड़की का शव मिला है जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली के बाबा हरिदास नगर थाने में ये मामला सामने आया है ।हरिदास नगर के एक ढाबे पर पुलिस को एक फ्रीज से शव मिला है। पुलिस ने आरोपी की पहचान साहिल गहलोत के तौर पर की है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने महिला की हत्या करने के बाद उसका शव फ्रिज में बरामद किया है। माना जा रहा है कि मृतका आरोपी की प्रेमिका थी। हालांकि अब तक ये सामने नहीं आया है कि आरोपी ने युवती की हत्या किस कारण से की है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है ।पुलिस ने हत्या के बाद शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का मानना है कि युवती की हत्या दो-तीन दिन पहले की गई है। हालांकि अधिक जानकारी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद पता चलेगी।

**कार में गला दबाकर की हत्या**

जानकारी के मुताबिक लड़की की हत्या कश्मीरी गेट आईएसबीटी के पास कार में गला दबाकर की गई है। 26 वर्षीय आरोपी ने लाश को मित्राउ गांव में अपने फ्रिज में छिपाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है ।बता दें कि इससे पहले दिल्ली में 18 नवंबर को 2022 में श्रद्धा मर्डर केस जैसा मामला भी देखने को मिला था। दिल्ली के महरौली इलाके में आरोपी आफताब ने अपनी लिव इन पार्टनर श्रद्धा की 18 मई को हत्या कर दी थी। आरोपी आफताब ने शव के 35 टुकड़े कर उसे फ्रिज में रखा था और धीरे धीरे शव के टुकड़ों को दिल्ली के अलग अलग इलाकों में ठिकाने लगाया था। आफताब ने श्रद्धा के शव के टुकड़ों को रखने के लिए फ्रिज खरीदा था।

# रसगुल्ले पर मचा बवाल, दुल्हन के मौसा का कत्ल, शादी समारोह में पसरा मातम

शादी समारोह में आए दिन मारपीट की घटनाएं सामने आती रहती हैं. शादी के माहौल में अकसर देखा गया है कि किसी न किसी बात पर लोग आपस में भिड़ जाते हैं, जिसका अंजाम बुरा होता है. ऐसा ही कुछ हुआ है उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में. मैनपुर के शादी समारोह में चौंका देने वाली घटना से स्तब्ध हैं. दंग कर देने वाली बात यह है कि रसगुल्ले को लेकर हुई लड़ाई में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई.

मैनपुरी के कुरावली कोतवाली क्षेत्र में आने वाले बीकापुर गांव में यह शादी समारोह हो रहा था. पुलिस ने बताया कि बीकापुर में रणबीर सिंह अपने साले रामकिशोर के साथ अपने साढू भाई की बेटी के शादी में शामिल होने आए थे. इस दौरान गांव के ही कुछ लड़के रसगुल्ले से भरी बाल्टी चुराकर जाने लगे. रणबीर सिंह और रामकिशोर ने इन युवकों को देख लिया. दोनों ने जब आरोपी युवकों को चोरी करने से रोका तो बात बिगड़ने लगी. आरोपियों ने रणबीर सिंह और रामकिशोर की बेरहमी से पिटाई कर दी. गंभीर चोट के कारण रणबीर सिंह मौके पर ही मौत हो गई.

# धर्म बदलने से मना किया तो एमबीबीएस छात्रा को पीटा, अश्लील तस्वीरों की धमकी से खुली पोल

उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. आरोप है कि यहां के दनकौर थाना इलाके में एमबीबीएस की स्टूडेंट को उसकी अश्लील तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर उसपर धर्म बदलने और शादी करने का दबाव बनाया गया. आरोपियों पर लड़की की पिटाई का भी आरोप है. पुलिस ने कहा है कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. मामले की जांच की जा रही है. दोषी कोई भी हो उनको बख्शा नहीं जाएगा. उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. धर्म परिवर्तन की एंगल की भी जांच जारी है.

**एमबीबीएस की छात्रा को बनाया शिकार!**

पुलिस अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि यहां की एक यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही पश्चिम बंगाल की छात्रा फेसबुक पर आरोपी के संपर्क में आई थी. 4 महीने तक व्हाट्सएप के जरिए से दोनों में बातचीत हुई. फिर 24 जनवरी 2022 को उसकी दिल्ली के रहने वाले आरोपी अखलाक शेख से मुलाकात हुई.

**अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी**

पुलिस के मुताबिक, उस वक्त अखलाक ने अपना कोई दूसरा हिंदू नाम बताया था. पीड़िता के मुताबिक, मुलाकात के बाद अखलाक उसको दिल्ली में अपने दोस्त के घर ले गया. वहां उसके साथ उसने संबंध बनाए. इस दौरान आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक हालत में कुछ तस्वीरें भी ले लीं.

**शादी करने का बनाया दबाव**

थाना प्रभारी ने शिकायकर्ता की शिकायत के हवाले से बताया कि छात्रा को इस दौरान पता चला कि लड़का दूसरे धर्म का है और शादीशुदा है, तो उसने उससे पीछा छुड़ाने की कोशिश की. छात्रा का आरोप है कि लड़के ने उसकी तस्वीरें वायरल करने की धमकी दी. धर्म परिवर्तन करके उससे शादी करने का दबाव भी बनाया.

शिकायतकर्ता का आरोप है जब उसने इस बात का विरोध किया तो आरोपी 26 जनवरी 2023 को उसके कॉलेज अपने पिता के साथ पहुंचा. वहां उसने अपने पिता के साथ मिलकर लड़की के साथ मारपीट की. आरोपी युवक और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया गया.

# बांदा में निर्माणाधीन मस्जिद को लेकर हंगामा, बजरंग दल ने लगाया आरोप

यूपी के बांदा जिले में एक निर्माणाधीन मस्जिद का विरोध तोड़फोड़ तक पहुंच गया. इस विवाद के बीच मौके पर पहुंचे वीएचपी और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस जगह की दूसरी मंजिल पर निर्माण गलत है. हिंदूवादी संगठन के लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर नारेबाजी भी की है. वहीं स्थानीय पुलिस का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है और आरोपों की जांच जारी है.

जाम लगाकर जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन

पुलिस की मौजूदगी में ही प्रदर्शनकारी मस्जिद में तोड़फोड़ करते दिखाई दिए. लगभग आधे घंटे तक यहां पर लोग तोड़फोड़ और प्रदर्शन करते रहे. जिसको लेकर यहां से आने जाने वाले लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. पूरा मामला शहर के बलखंडी नाका इलाके का है जहां पर एक मस्जिद में हो रहे निर्माण कार्य के दौरान अचानक बाइकों से सैकड़ों की संख्या में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पहुंच गए. पहले तो इन लोगों ने अपनी बाइकों को बीच सड़क पर ही खड़ा कर जाम लगा दिया. फिर इन्होंने मस्जिद में हो रहे निर्माण कार्य को रुकवाने के साथ ही मस्जिद में तोड़फोड़ शुरू कर दी.

विहिप का आरोप

इस मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष चंद्रमोहन बेदी ने बताया कि मस्जिद के जीर्णोद्धार के लिए उप जिलाधिकारी ने मस्जिद के संचालक को इजाजत दी थी. लेकिन नियमों की आड़ में मस्जिद के ऊपर दूसरी मंजिल पर भी निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो कि गलत है. और इसी के विरोध में हम लोग यहां पर इकट्ठे हुए हैं और निर्माण कार्य को हमने रुकवाया है.

# जिम्मेदारों की आंखे बंद, बेखौफ होकर किया जा रहा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग

## प्रतिबंध के 8 माह बाद भी नही दिखाई दे रहा कोई असर, नगर निगम व प्रदूषण नियंत्रण विभाग के दावें हवा-हवाई

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। मंचों से, बातें करने से किसी समस्या का हल नही निकल सकता, उसके लिए मैदान में कमर कस के उतरना पडता है और शायद कानपुर नगर के विभागीय जिम्मेदार यह करना नही चाहते है। बात तब और भी गंभीर हो जाती है जब विषय पर्यावरण और मानव स्वास्थ से जुडा हो, लेकिन यहां किसी न तो विभागीय अधिकारियों को और न ही उनके अधिनस्थों को कोई फर्क पडता है। सिंगल यूज प्लास्टिक लगातार पर्यावरण के लिए खतरा बनती जा रही है। 2022 में 1 जुलाई को सिंगल यूज प्लास्टिंक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन आज 8 माह बीतने के बाद भी पूरे शहर में कई टन प्रतिबंधित पॉलीथीन खपाई जा रही है।

पॉलीथीन को लगतार पर्यावरण के लिए खतरा माना जा रहा है। इसके लिए सरकार भी जागरूक है और सिंगल यूज पॉलीथीन को रोकने के लिए 1 जुलाई 2022 को सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन भी कर दिया था, लेकिन कानपुर के नगर निगम के साथ ही पर्यावरण अधिकारी इस ओर आंखे मूंदे बैठे है और नीचले स्तर से एक ठेला व्यापारी से लेकर बडे-बडे प्रतिष्ठानों तक में यह प्रतिबन्धित पॉलीथीन धडल्ले से उपयोग में लाई जा रही है। बतातें चले कि सिंगल यूज पॉलीथीन

की ही तरह थर्माकोल से बने 19 उत्पादों को भी पूरी तरह प्रतिबन्धित किया जा चुका है। सिंगल यूज प्लास्टिक वह होती है जिसका उपयोग केवल एक बार ही किया जा सकता है और यह आसानी से नष्ट नही होती है। यह भले ही कहा जा सकता है कि नगर निगम बीच-बीच में अभियान चलाकर ठेलेवालों और छोटे दुकानदारों पर जुर्माना लगाकर वसूलता रहा है लेकिन कभी बडे व्यापारियों या उत्पदनकर्ताओं पर कोई कार्यवाई नही की, जबकि नियम में सिंगल यूज प्लास्टिक और थर्माकोल का सामान बनाने वालो, बेचने वालो तथा इसके आयात व निर्यात पर जुर्माने के साथ ही जेल तक काटना पड सकता है लेकिन विभागीय सख्ती न होने के कारण किसी के अंदर भय नही है और इन प्रतिबन्धित वस्ताओं को बडे पैमारे पर शहर और आसपास उपयोग किया जा रहा है। शहर में केवल 200 मीट्रिक टन कचरा केवल सिंगल यूज प्लास्टिक और थर्माकोल की बनी चीजो का ही होता है जो नष्ट नही होता चाहे उसमें आग ही क्यों न लगा दी जाये। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कहना है कि शहर में पॉलीथीन का बिलकुल भी उत्पादन नही होता तो फिर बाजार में खास तौर पर थोक मण्डियों में प्लास्टिक बैग बडे पैमाने में कहां से आ रहे है। जानकारी के अनुसार बडी मात्रा में दूसरे शहरो और राज्यों से कानपुर में पॉलीथीन चोरी-छिपे लाई जाती है, जिसकी यहां बिक्री की जाती है। आज शहर की हर सडकों और गलियों में हाईवे के किनारे प्लास्टिक पॉलीथीन का ठेर लगा हुआ है। यदि इसी प्रकार चलता रहा तो पर्यावरण के लिए यह कितना हानिकारण हो सकता है वह तो है ही साथ ही मानव शरीर के लिए यह सिंगल यूज पॉलोथीन किसी अभिषाप से कम नही है।

# भिवानी कांड में राजस्थान पुलिस का बर्बर चेहरा! आरोपी की प्रेग्नेंट पत्नी के पेट में मारी लात!

हरियाणा के भिवानी में जलती बोलेरो में 16 फरवरी को दो कंकाल मिलने के बाद मामले की जांच के दौरान राजस्थान की पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं. मृतकों की पहचान नासिर (25) और जुनैद (35) के तौर पर हुई है. दोनों राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले थे. मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनके बच्चों को भरतपुर से अगवा करने के बाद हत्या कर दी गई. दोनों का शव भरतपुर से करीब 200 किलोमीटर दूर भिवानी के लोहारू में मिला था.

**राजस्थान से अगवा, हरियाणा में मिले शव**

गोपालगढ़ पुलिस का कहना है कि शिकायत के बाद बुधवार को रातभर दोनों युवकों की तलाश की गई. लेकिन गुरुवार सुबह हरियाणा से खबर आई कि एक बोलेरो जली हालत में मिली है जिसमें कुछ कंकाल मिले हैं. इसके बाद गोपालगढ़ पुलिस हरियाणा रवाना हुई।

पुलिस का कहना है कि शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा. पुलिस ने इस मामले में मृतक के भाई की शिकायत के आधार 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

**राजस्थान पुलिस पर बर्बरता के आरोप**

घाटमीका के दो युवकों को भिवानी में जिंदा जलाने का मामले में गिरफ्तार किए आरोपी को पुलिस ने किया कोर्ट में पेश किया जिसके बाद उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है. वहीं इस केस की जांच कर रही राजस्थान पुलिस पर आरोपी की मां ने गंभीर आरोप लगाए हैं. आरोपी की मां का कहना है कि राजस्थान पुलिस की टीम ने जांच के दौरान बर्बरता करते हुए उनकी गर्भवती बहू से मारपीट की. जिसके बाद नवजात ने मां के पेट में ही दम तोड़ दिया.

यानी राजस्थान पुलिस पर आरोपी श्रीकांत की गर्भवती पत्नी कमलेश के साथ मारपीट कर गर्भ में पल रहे 9 माह के बच्चे को मारने का आरोप लगा है।

इस मामले में श्रीकांत की मां दुलारी ने शनिवार को नगीना थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है. शिकायतकर्ता दुलारी ने कहा कि 16 फरवरी की रात 3 बजे राजस्थान पुलिस के 30-40 लोग आए और गेट खुलवाकर जबरन घर के अंदर घुस आए और उनकी बहू से पूछताछ करने के बाद उसे पीटने लगे.

**हरियाणा पुलिस कर रही जांच**

हरियाणा पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. इन आरोपों को लेकर हरियाणा में नूंह के पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने बताया कि श्रीकांत की मां दुलारी देवी ने की शिकायत मिली है, जिस पर जांच शुरू कर दी गई है।

# महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में बना गिनीज बुक रिकॉर्ड, अयोध्या को पछाड़ कर जलाए गए दिये

महाशिवरात्रि के मौके पर बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में खास रिकॉर्ड बना है। इस रिकॉर्ड के बाद उज्जैन ने अयोध्या का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। महाशिवरात्रि के मौके पर मध्यप्रदेश के उज्जैन में तेल के दिये प्रज्जविलत कर नया रिकॉर्ड बना है।

मध्य प्रदेश में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में नया विश्व रिकॉर्ड बना है। यहां शनिवार शाम यानी 18 फरवरी को क्षिप्रा नदी के तट पर लाखों दीये प्रज्जवलित कर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। इस दौरान उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाकर नया रिकॉर्ड बनाया और गिनीज बुक में नाम दर्ज किया है।

बता दें कि इस दौरान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम भी मौजूद रही। टीम के स्वप्निल डांगरीकर ने कहा कि उज्जैन से पहले तेल के दीये प्रज्जवलित करने का विश्व रिकॉर्ड दीपावली के मौके पर अयोध्या में बना था जहां 15.76 लाख दीये प्रज्ज्वलित हुए थे । इस बार इस रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाए गए है। जानकारी के मुताबिक क्षिप्रा नदी के तट पर इतनी बड़ी संख्या में दीप प्रज्ज्वलन के कार्य को करीब 20 हजार स्वयंसेवकों ने पूरा किया।

उन्होंने कहा कि दीयों को कम से कम पांच मिनट के लिए जलना था, जो कि सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन करने में स्थानीय प्रशासन के साथ नागरिकों के समूहों ने भी जी तोड़ मेहनत की है। दीप प्रज्जवलन के कार्यक्रम में खुद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी शिरकत की थी। वो यहां अपनी पत्नी साधना सिंह चौहान के साथ पहुंचे थे। बता दें कि इस दौरान कुल 18,82,229 दीप जलाए गए। कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने के लिए लेजर शो का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी पत्नी के साथ नौका पर बैठ कर रामघाट से भूखीमाता तक लगाये गये दीपों की अद्भुत छटा को निहारने भी गए। बता दें कि कार्यक्रम के बाद घाटों की रोशनी को बंद किया गया ताकि घाटों पर लगाए गए दीयों की रोशनी का आनंद लिया जा सके जो कि क्षिप्रा नदी के तट पर दिख रहा था। इस खास मौके पर शिव ज्योति अर्पणम का टाइटल सॉन्ग भी लॉन्च किया गया।

जानकारी के मुताबिक महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकाल की नगर उज्जैन में 21 लाख तेल के दीपक जलाने का लक्ष्य रखा गया था हालांकि 18.82 लाख दीये जलाने में ही सफलता मिल सकी। दीयों की गिनती के लिए ड्रोन कैमरों की मदद ली गई थी। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में दीपोत्सव कार्यक्रम किया गया है।

# बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने के लिए रणनीति बनाई

लखनऊ। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है और इस कड़ी में पहली प्राथमिकता उन 14 सीटों को जीतने की है जिसे भाजपा 2019 में जीत नहीं सकी थी। इन 14 क्षेत्रों में पार्टी के दिग्गज नेताओं के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में 14 सीटें ऐसी हैं जिसे 2019 में भाजपा जीत नहीं सकी थी, लेकिन उपचुनावों में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रभाव वाली आजमगढ़ और रामपुर जैसी सीटों को जीतने के बाद पार्टी का उत्साह बढ़ा है। राज्य की 80 सीटों में बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, रायबरेली, घोसी, लालगंज, जौनपुर, अंबेडकर नगर, गाजीपुर, श्रावस्ती, मैनपुरी, सहारनपुर और नगीना सीटों पर अभी गैर भाजपा दलों का कब्जा है।

इनमें 10 सीटों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा), तीन सीटों पर सपा और रायबरेली सीट पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का प्रतिनिधित्व है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हारी हुई सीटों पर पार्टी ने अपनी ताकत, कमजोरी, चुनौतियों और खतरों का आकलन करने के लिए चार केंद्रीय मंत्रियों नरेन्द्र सिंह तोमर, अन्नपूर्णा देवी, अश्विनी वैष्णव और जितेन्द्र सिंह कोजिम्मेदारी सौंपी है और ये मंत्री पहले चरण में इन क्षेत्रों का आकलन कर पार्टी को रिपोर्ट दे चुके हैं। इन 14 सीटों पर संगठन और सरकार के बीच समन्वय बनाने के लिए संगठन के तजुर्बेकार भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य को अधिकृत किया गया है। पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार, नरेन्द्र सिंह तोमर को लालगंज, अंबेडकर नगर, श्रावस्ती और रायबरेली, अन्नपूर्णा देवी को जौनपुर, गाजीपुर, घोसी, जितेन्द्र सिंहको मैनपुरी, संभल, मुरादाबाद और अमरोहा और अश्विनी वैष्णव को सहारनपुर, नगीना तथा बिजनौर लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी की तैयारियों को परखने और निगरानी की जिम्मेदारी मिली है।

पिछले महीने लखनऊ में हुई भाजपा की कार्यसमिति में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने राज्य की सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी। इस कड़ी में राजनीतिक, सामाजिक समीकरण साधने के साथ ही पार्टी ने केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी समूहों के साथ बैठक करने और कोर कमेटी, बूथ कमेटी से लेकर समाज के सक्रिय वर्गों से संवाद शुरू किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कार्यकाल बढ़ाये जाने के बाद 20 जनवरी को अपनी पहली उत्तर प्रदेश यात्रा गाजीपुर संसदीय क्षेत्र में की, जहां उन्होंने पूर्व सैनिकों से लेकर बूथ कमेटी और समाज के प्रमुख वर्ग के लोगों से सीधा संवाद किया। इस सीट पर बाहुबली मुख्तार अंसारी के बड़े भाई अफजाल अंसारी ने मनोज सिन्हा (जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल) को पराजित किया था ।पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नड्डा का दौरा होगा और गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य वरिष्ठ नेता भी हारी हुई सीटों पर दौरा करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा, "वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जिन बूथों पर राजनीतिक परिणाम हमारे अनुकूल नहीं आए, वहां हम बूथ सशक्तिकरण के माध्यम से उन बूथों की पहचान कर जनता से संवाद स्थापित कर रहे हैं एवं भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे लोकहित कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को उन तक पहुंचा रहे हैं।" अपना दल (सोनेलाल) के साथ गठबंधन कर वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 80 में से 64 सीटें जीतीं जबकि कांग्रेस ने एक, सपा ने पांच और बसपा ने 10 सीटें जीती थीं। तब सपा-बसपा ने मिलकर गठबंधन में चुनाव लड़ा था। हालांकि, पिछले वर्ष हुए उपचुनावों में आजमगढ़ और रामपुर सीट भाजपा ने सपा के कब्जे से छीन ली लेकिन मैनपुरी सीट बचाने में सपा कामयाब रही। भाजपा ने पिछले वर्ष हुए उपचुनाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के प्रतिनिधित्व वाली आजमगढ़ और सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के प्रतिनिधित्व वाली रामपुर सीट को सपा के कब्जे से छीनकर अपने हिस्से में कर लिया। हालांकि, सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद उनकी मैनपुरी सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा को सफलता नहीं मिल सकी। आजादी के बाद से ही इस सीट पर जनसंघ या भाजपा को कभी भी जीत हासिल करने का मौका नहीं मिला। इस सीट को जीतकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव सपा और मुलायम की विरासत को बचाने में कामयाब रहीं।

# ब्रेड को बनते हुए देखा है? देखेंगे तो खा नहीं पाएंगे आप

अभी कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था. जिसमें दिखाया गया था कि नूडल्स को किस तरह बनाया जाता है. वह वीडियो देखकर भी लोग काफी भयभीत हो गए थे. इसी कड़ी में एक और वीडियो सामने आया है जिसमें दिख रहा है किस सुबह नाश्ते में यूज किए जाने वाले ब्रेड को किस तरह फ्रेश रखा जाता है. **खतरनाक तरीके से ताजा रखने के लिए**-दरअसल, इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. इस वीडियो में दो शख्स दिखाई दे रहे हैं और उनके हाथ में एक मशीन दिखाई दे रही है. सामने ब्रेड पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है. इस वीडियो में यह दिखाया गया है कि ब्रेड को कितने खतरनाक तरीके से ताजा रखने के लिए पेंट किया जा रहा है. **प्लास्टिक के डिब्बे में रंग रखा**-वीडियो में दिख रहा है कि ब्रेड चौकोर आकार का है और वह बनकर उन दोनों शख्स के पास पहुंच गया है. इसके बाद उनके पास एक मशीन है और सामने एक प्लास्टिक के डिब्बे में रंग रखा हुआ है. उस मशीन और पेंट के सहारे वे ब्रेड के उस हिस्से की तरफ पेंट करते हुए नजर आ रहे हैं, जो हमको और आपको ताजा दिखाने के लिए दिखाया जाता है.

**ताजा ना होकर पेंट हुआ**-गहरे भूरे रंग का यह ब्रेड इस रंग की वजह से कई दिनों तक ताजा दिखता है और बाजार में बिकता है. बाजार में खरीद कर यही ब्रेड हम और आप खाते हैं. हमको और आपको लगता है कि यह ब्रेड ताजा बनाया गया है. जबकि इसको सिर्फ पेंट के सहारे ताजा दिखाया जाता है. यह ताजा ना होकर पेंट हुआ रहता है. यह एक प्रकार से जहर है जिसको हम और आप खा रहे हैं.

**'यह तो हद पार हो गई'**-जैसे ही इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोग भड़क गए. एक यूजर ने लिखा कि यह तो हद पार हो गई. लोगों की सेहत के साथ इस तरह से खिलवाड़ करना ठीक नहीं है. वहीं एक यूजर ने यह लिख दिया कि आज से पेंट खाना बंद हो गया है.

# राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद में सांसद को ज्ञापन सौंपा

## सांसद सत्यदेव पचौरी ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को पुरानी पेंशन बहाली के लिए ज्ञापन भेजने के लिए परिषद को आश्वस्त किया: राजा भरत अवस्थी

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। आज राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारियों व शिक्षकों ने पुरानी पेंशन बहाली हेतु सांसद सत्यदेव पचौरी को ज्ञापन देकर यह माँग की कि उत्तर प्रदेश में एनपीएस को हटाकर ओपीएस अर्थात पुरानी पेंशन बहाल की जाए,साथ ही एनपीएस कर्मचारियों को कैशलेश चिकित्सा योजना का लाभ दिया जाए। परिषद के अध्यक्ष श्री अवस्थी ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों व शिक्षकों जिंहोने 2005 अप्रैल के बाद सरकारी सेवा

में जुड़े हैं, को एनपीएस में रखकर शेयर बाजार आधारित पेंशन सिस्टम लागू किया है जो कर्मचारी शिक्षक विरोधी है। पुरानी पेंशन बुढ़ापे की लाठी है, सहारा है जिसे जनप्रतिनिधि भी प्राप्त कर रहे हैं जो मात्र 5 साल के लिए चुनें जाते हैं। कर्मचारी शिक्षक जो 30से40 वर्ष सरकारी सेवा में रहते हैं, को पुरानी पेंशन न देना प्राकृतिक अन्याय का द्योतक है। पुरानी पेंशन बहाली का तीसरा ज्ञापन सांसद सत्यदेव पचौरी को सौंपा। सांसद सत्यदेव पचौरी ने परिषद को आश्वस्त किया कि पुरानी पेंशन बहाली हेतु शीघ्र ही ज्ञापन प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी को प्रेषित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन व नई पेंशन के लाभ व नुकसान को रेखांकित कर एक विस्तृत पत्र उपलब्ध कराने के लिए परिषद अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी से कहा है। पुरानी पेंशन बहाली हेतु यह तीसरा ज्ञापन सांसद सत्यदेव पचौरी को देकर कानपुर नगर में निवास कर रहे सभी जनप्रतिनिधियों को बारी-बारी से प्रत्येक रविवार को ज्ञापन दिया जाएगा। ज्ञापन पत्र सौंपने में प्रमुख रूप से अभय मिश्रा, राम कुमार त्रिपाठी, योगेन्द्र कुमार सिंह,दिलीप सैनी ,इं.कोमल सिंह,सुखेन्द्र यादव, अखिलेश द्विवेदी कलेक्ट्रेट, विक्रम शर्मा, बृजेश सुवाडोर, अटल बिहारी, बृजेश कटियार, परवेज आलम, हरीश श्रीवास्तव,आदित्य शुक्ला, धर्मेन्द्र अवस्थी, अजय द्विवेदी सिंचाई, पवन गुप्ता, विजय शर्मा, भानु प्रताप सिंह, मनोज झा,राम स्वरूप,रंजना सिंह, ज्योत्स्ना सिंह, आशुतोष दीक्षित, महेन्द्र सिंह, जितेन्द्र मिश्रा, अजीत निगम,अजय सिंह चंदेल, आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित हुये।

# कमिश्नरेट के 23वें रक्तदान शिविर में पहुंचे 58 रक्तदानी

**बीपीएस न्यूज** कानपुर। थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के लिये कानपुर नगर पुलिस कमिश्नरेट 2.0 लगातार रक्त के महादानियों के लिए शिविर लगाकर रक्तदान का अवसर प्रदान कर रहा है। पुलिस कमिश्नरेट कानपुर द्वारा थाना जूही क्षेत्र में आयोजित 23 वें रक्तदान शिविर में रक्तदानियों के द्वारा 24 यूनिट रक्तदान किया।

इसी क्रम में रविवार को श्रंखला का 23 वां शिविर थाना परिसर जूही में लगाया गया। युवाओं ने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की रक्षा का संकल्प लिया और बढ़चढ़कर रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की कुशल टीम और कानपुर थैलेसीमिक सोसाइटी ने सहयोग किया। 23वें रक्तदान शिविर में कुल 24 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया इस दौरान रक्तदान करने पहुंचे 34 लोग चिकित्सकीय समस्या के कारण रक्तदान नहीं कर सके। पुलिस कमिश्नरेट कानपुर के द्वारा थैलेसीमिया के करीब 161 पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन कानपुर थैलेसीमिक सोसाइटी के साथ अनवरत आयोजित किया जा रहा है। रक्तदान करने वालों को डीसीपी दक्षिण ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रभारी निरीक्षक जूही जितेंद्र सिंह व अन्य पुलिस कर्मियों के द्वारा रक्तदान किया गया। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त गोविंद नगर, प्रभारी निरीक्षक गोविंद नगर, बाबूपूरवा, किदवई नगर उपस्थित रहे।

# शिव बारात में देवी-देवता,भूत-प्रेत व बेताल सभी बने बाराती, भोला है भंडारी, करे नंदी की सवारी

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। भूतो की लेके टोली, शिवजी चले हैं बारात, बैल पर होकर सवार, सज रहे भोलेबाबा निराले दुल्हे मेङ्क महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शनिवार को गोविंद नगर की सड़कों से जब शिव बारात निकली तो लोगों के मुंह से न केवल भोलेनाथ की जय बल्कि जयश्रीराम के नारे गूंज रहे थे। शिव बारात का जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

शनिवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर श्री गणपति बप्पा नवयुवक कमेटी गोविंद नगर के बैनर तले शिव बरात पूजा अर्चना के बाद ओमकारेश्वर मंदिर ब्लाक 10 गोविंद नगर से निकली ।नंदी पर सवार होकर भगवान शिव नगर भ्रमण पर निकले तो भक्ति और आस्था की भावना हिलोरें मारने लगी ।शिव बारात में भूत -पिशाच और देवता भी मगन होकर नृत्य करते हुए चल रहे थे ।शिव के गणो का अद्भुत नृत्य लोगों को लुभा रहा था ।शिवजी की बारात में कई देवताओं और ऋषि-मुनियों के स्वरूप भी शामिल हुए ।शिव की मोहक छवि देख कई निहाल तो कई श्रद्धालु भावुक हो गए ।शिव बारात धार्मिक धुनों से वातावरण को धर्ममय बनाए हुए थी। हवा मे लहराती केसरिया पताकाए अद्भुत सा नजारा पेश कर रही थी। भक्ति गीतों पर युवा व बच्चे जमकर थिरके ।दुल्हे बने बाबा बारातियों की उछल-कूद देख मुस्करा रहे थे ।उनकी बारात रथो,बग्घियों, बैंड व झांकियों से सजी रही ।बारात के रास्तों पर व पीछे चल रही महिलाएं मंगलगीत गा रही थी। शिव बारात में भोले नाथ की जय ,जय श्रीराम के जोरदार नारे बुलंद किए गए ।शिव बारात मे लगभग एक दर्जन झाकियों मे राम दरबार, गोपिकाओं संग नृत्य करते कृष्ण, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ की झाकियां विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र रही। जगह-जगह भोले भंडारी का पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत किया गया ।व्यापारिक एवं समाजिक संस्थाओं की ओर से स्टाल भी लगाए गए ।जिसमें हलवा पूरी, छोले, खीर, बिस्किट, मिठाई ,फल आदि प्रसाद बांटा गया ।शांति व्यवस्था एवं सुरक्षा के मद्देनजर बडी संख्या मे गोबिन्द नगर थाने का पुलिस फोर्स

## जगह जगह शिव बारात का स्वागत व अभिनन्दन, उमड़े भक्तगण

भगवान शिव की आराधना के विशेष पर्व शिवरात्रि पर आज ओमपुरवा से शिव बारात बहुत ही घूमधाम से निकाली गई। जिसमे हजारो शिव भक्तो ने शिरकत किया ।भूत,पिशाच, निषाच, भोले बाबा व पार्वती बैड की घुन पर नाचते दिख रहे थे। जगह-जगह पंडाल लगाकर शिव बारात का स्वागत व अभिनन्दन किया गया ।श्री बाबा अमरनाथ सेवा मंडल के अजय वर्मा, जितेंद्र वर्मा, श्याम तिवारी, शैलेन्द्र गुप्ता,अभिताभ पाण्डेय,पियूष सिह,अरूण चैतन्य पुरी महराज विशेष रूप से मौजूद रहे ।यह शिव बारात लाल बंगला,हरजिंदर नगर, जे के चौराहे, जाजमऊ होते हुये सिद्ध नाथ घाट पहुंची। जहा पर भक्तगणो को प्रसाद वितरण किया गया ।भगवान शिव व पार्वती की आकर्षक झांकिया का आनन्द ले रहे थे। इस शिव बारात मे प्रमुख रूप से विनोद गुप्ता,सनी जायसवाल, अनिल गुप्ता,पप्पू वर्मा, मोनू गौड आदि लोग मौजूद रहे।

शिव बारात के साथ-साथ चल रहा था ।शिव बरात ब्लाक 10 से पापुलर धर्मकाटा,गोपाला,नंदलाल चौराहा से चावला मार्केट चौराहा होते हुए वापस ब्लाक 10 में पहुंची ।यहा शिव बारात का विशेष पूजा अर्चना के साथ एवं भगवान शिव के स्वरुपों का पवित्र जल और फूलों की वर्षा से भव्य स्वागत किया गया ।शिव बारात मे कमेटी अध्यक्ष उमाशंकर सिंह, हरि शंकर सिंह,प्रकाश वीर आर्य,रविशंकर सिंह,धर्मेन्द्र राय, विकास दुबे,अनिल त्रिपाठी,,सुबोध चोपडा, ,सोनू शुक्ला, राजेश श्रीवास्तव,श्याम बाबू, इन्द्रजीत, मनोज कठेरिया, रिंकू तिवारी, राजू तिवारी,आदि भी बाराती बन शामिल रहे।

# पनकी के प्रसिद्ध अद्वितीय शिव मन्दिर में धूमधाम से मनी शिवरात्रि

### ◆ भण्डारे व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

कानपुर। ढाई सौ वर्ष से भी अधिक प्राचीन अद्वितीय शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन प्रतिवर्ष भंडारा आयोजित किया जाता है। यह भंडारा मंदिर के ट्रस्टी श्री अवनीश अवस्थी मालिनी अवस्थी, माता ऊषा अवस्थी जी एवं परिवार के सदस्यों द्वारा आयोजित किया जाता है। दूर-दूर से लोग इस भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने आते हैं। अद्वितीय शिव मंदिर में उपस्थित भगवान शिव का विग्रह अत्यंत प्राचीन है। भंडारे की खास बात यह भी रहती है भोजन के साथ-साथ भक्ति संगीत भजनों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम रहती है। प्रसिद्ध गायिका श्रीमती मालिनी अवस्थी जी के अतिरिक्त कानपुर की गायिका एवं उनके शिष्य कविता सिंह रेनू गौर एवं दल ने अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया, इस अवसर पर भोलेनाथ की शोभायात्रा भी निकली प्रात: काल 9:00 बजे से प्रारंभ हुआ भंडारा देर शाम तक अनवरत चलता रहा। आसपास के क्षेत्र के लोग देर शाम तक प्रसाद ग्रहण करने आते रहे।

# प्रेमी जोडे के फंदे से लटकते मिले शव, प्रेमिका की होनी थी 25 फरवरी को शादी

## शादी शुदा प्रेमी के साथ प्रमिका ने किया सुसाइड, शादी की तैयारी वाले घर पर फैला मातम

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर ।एक शादी की तैयारी करने वाले घर पर उस समय मातम फैल गया जब, जिसकी शादी होनी थी उसी युवती की आत्महत्या की घरवालों को जानकारी हुई। मामला प्रेम सम्बन्धों का है जिमसें एक प्रमिका ने अपने शादी शुदा प्रेमी के साथ सुसाइड कर लिया। घटना की जानकारी पुलिस को परिजनों ने दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि युवती की 25 फरवरी को शादी थी और घर पर मेहमानो का आना शुरू हो गया था, शादी की तैयारियां की जा रही थी।

जानकारी के अनुसार थाना पनकी क्षेत्र के रतनपुर में रहने वाले सुधीर सिंह का बेटा 35 वर्षाय मोहन सिंह चैहान जो शादी शुदा था उसका क्षेत्र में ही रहने वाली 24 वर्षीय युवती से प्रेम सम्बंध था। दोनो का ही शव शताब्दी नगर की अरावली हाउसिंग सोसाइटी, सी-ब्लॉक के फ्लैट नम्बर 16 में फंदे पर लटका हुआ मिला। जहां युवक का शव पंखे से तो वही युवती का शव खिडकी की ग्रिल के साहरे फंदे से लटकता पाया गया। पुलिए द्वारा फ्लैट को सील कर दिया गया है। घटना के सम्बन्ध में थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि प्रेमी युगल के परिजनों से पूंछतांछ के बाद मिली जानकारी के अनुसार मोहन सिंह शादी शुदा था और उसने अपनी पत्नी राखी तथा बेटी को पहले ही छोड दिया था, जोकि लगभग डेए साल से अपने मायके में रहती है तथा मोनू अपनी प्रेमिका आरजू के साथ रहने लगा और उसने आठ माह पहले ही फ्लैट किराये पर लिया था, इसी बीच युवती की शादी दूसरी जगह परिजनों ने तय कर दी।

**कैसे परिजनों को मिली घटना की जानकारी**

मोनू के साथ प्रेम सम्बन्धो की जानकारी युवती के परिजनों को पहले से ही थी और वह इसका विरोध भी करते थे, इन्ही कारणों से परिजनों ने युवती का विवाह दूसरी जगह तय कर दिया था। गुरूवार को युवती अपने मामा के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी, जब देर शाम तक युवती धर नही पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। पहले रिश्तेदारों फिर दोस्तों ये कहां पता किया लेकन युवती का कुछ भी पता नही चल सका, जिसके बाद परिजन मोनू के फ्लैट पहुंच गये। काफी देर दरवाजा खटखटाने के बाद और मोनू तथा युवती को कॉल करने पर भी जब कॉल रिसीव नही हुई तो पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोडकर घर के अंदर प्रवेश किया तो प्रेमी युगल के शवों को फंदे से लटकता पाया। घटना पर परिजनों का आरोप है कि युवक ने हत्या के बाद आत्महत्या कर ली है वहीं एसीपी निशांत शर्मा ने बताया कि मौके पर फोरेंसिक टीम द्वारा निरीक्षण किया गया है, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, घटना की जांच की जा रही है जो भी तथ्य सामने आयेगे उसी के अनुसार कार्यवाई की जायेगी।

## जीएसवीएम मेडिकल कालेज ने 10 मेगा प्रोजेक्टों पर दी सहमति

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रो0 डा0 संजय काला नित नए आयाम और मरीजो को बेहतर इलाज और सुविधा देने के लिए जी जान से लगे हुए है। इसी क्रम में अब मरीजो को इंडिया की एक बडी कम्पनी द्वारा एक शोध के माध्यम से उनको आने वाले समय में काफी बेहतर सुविधा और लाभ मिलने वाला है। इस शोध के माध्यम से मरीजो को जो सामान बाहर से लाना पडता था वह अब उन्हें नही लाना पडेगा और यह सब प्राचार्य डा0 संजय काला के अथक प्रयास से संभव हो पाया है।

जीएसवीएम मेडिकल कालेज प्राचार्य डा0 संजय काला ने बताया कि रोम संस प्रा0 लि0 इंडिया की एक बडी कम्पनी है जिसके साथ कालेज ने 15 प्रोजेक्टो पर अपनी सहमती जताई है और 10 प्रोजेक्टो पर हस्ताक्षर भी किए जा चुके है। उन्होंने बताया कि फीडिंग ट्यूब, निमोलाइजर, ब्लडएडमिनिस्ट्रेशन सेट , फीडिंग वास व फैल्क्सी मास्क दिए जाएगें जिसको मरीज पर इस्तमेाल किया जाएगा। इस शोध के माध्यम से हैलट के एक हजार मरीजो को डिवाइस सेल की प्राप्ति होगी।

# 8 अप्रैल को होगा दिव्यांगजनो का सामूहिक विवाह

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। विकलांग एसोसिएशन द्वारा दिवयांगजनों का सामूहिक विवाह 8 अप्रैल को शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल पार्क में आयेजित कराया जायेगा, यह जानकारी विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने दी।

वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि विवाह पंजीकरण के लिए दिव्यांगजन शास्त्री नगर सेंट्रल पार्क में संपर्क कर सकते है, इसके लिए दिनांक 14 फरवरी को शास्त्री नगर के पार्क में शिविर का आयोजन भी किया जायेगा, जिसमें सामूहिक विवाह पंजीकरण के साथ साथ दिव्यांगजनों के सरकारी योजनाओं जैसे रेलवे रियायती प्रमाण पत्र, रेलवे यूनिक कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, विकलांग पेंशन, कृतिम अंग उपकरण, दुकान संचालन ऋण योजना, विकलांग विवाह पुरसकार योजना के फार्म भी भरे जायेगे। जो दिव्यांग व्यक्ति सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण कराना चाहिता है व सरकारी योजनाओं क लाभ लेना चाहता है वह अपना पंजीकरण करा सकते है।

## डॉ वीरेंद्र स्वरूप क्रिकेट एकेडमी द्वारा कानपुर प्रीमियम लीग का हुआ उद्घाटन

**कानपुर।बीपीएस न्यूज-** कानपुर। (विनय कुमार) प्रीमियम लीग का उद्घाटन मैच खेला गया। उद्घाटन मैच सरताज 11 व गौरी मजीद के बीच खेला गया। जिसमें सरताज 11 ने जीत दर्ज की। लीग का दूसरा मैच लक्ष्मी हजारिया 11 व रमा मिश्रा 11 के बीच खेला गया। जिसमें लक्ष्मी हजारिया ने 135 रनों से जीत दर्ज की जिसका उद्घाटन बजरिया थाने के इंस्पेक्टर अजय कुमार ने किया थाउद्घाटन आयोजन में मोहम्मद याकूब, रवि सक्सेना, दिलशाद, सम जाफर, माजिद इरशाद व संजीव शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। आयोजन सचिव एहसान इमरान ने आए हुए मेहमानों का धन्यवाद किया।

# छात्रों, शिक्षक व शिक्षकाओं को दिलाई गयी एआरटीओं द्वारा शपथ

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर । सेंट जॉन इण्टर कालेज, नवाब गंज में सडक सुरक्षा की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सम्भागीय विभाग कानपुर नगर से सुनील दत्त एआरटीओ, मुख्य अतिथि तथा सचित इडियन रेड क्रास सोसाइटी के आर के सफ्फड उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कालेज के प्रधानाचार्य हनी क्लोडियस ने स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों का स्वागत किया।

विधालय के बच्चों तथा शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सडक सुरक्षा से सम्बन्धित सुनील दत्त एआरटीओं द्वारा शपथ ग्रहण कराई गयी। इस अवसर पर प्रबन्धक अजीत सिंह, अंगद सिंह, एके द्विवेदी, राम प्रकाश मिश्रा व ममता तिवारी आदि उपस्थित रही।

# एमएलसी अरूण पाठक ने दिया बच्चों को आर्शीवाद

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। जुगल देवी सरस्वती विधा मंदिर में आयोजित कक्षा दषम के छात्रों का आशीवार्द समरोह में मुख्य अतिथि एलएमसी अरूण पाठक ने कहा कि छात्रों को भावी जीवन के लिए यह आवश्यक है कि यहां से जब आप शिक्षा ग्रहण कर किसी अन्य विधालयों में जायेंगे तब कई चुनौतियों का सामना करना पडेगा, वहां जाकर आपको इस विधालय में प्राप्त शिक्षा व संस्कार ही उपयोगी होंगे ।श्वशिष्ट

अतिथि सीबीएसई कोआर्डिनेटर बलबिन्दर सिंह ने कहा कि छात्र अपने नैतिक मूल्यों का कभी पतन न होने दे और देश तथा समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझें। उन्होने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आपने जो वर्ष भर परिश्रम किया उसका फल आपकों परीक्षाफल के रूप में मिलेगा। कहा आप जिस क्षेत्र में जाये विधालय व देश का गौरव बढाये। विधालय के अध्यक्ष प्रेम चन्द्र गुप्त ने मुख्य अतिथियों का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया तथा विनोद कुमार अग्रवाल ने धन्यवार ज्ञापित किया। प्रधानाचार्य हरि प्रसाद शर्मा ने दशम के छात्र-छात्राओं को दीक्षित किया। मनोज कुमार त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा करूणा शंकर मिश्र, सूरज प्रताप, गीता सिंह, आशीष, रूचिका बाजपेयी, गीतिका, ज्योति, आरती आदि उपस्थित रहीं।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।